डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 67 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 14 फ़रवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ियों पर 'सुप्रीम' नाराजगी

कहा-लोग काम नहीं करना चाहते, क्योंकि उन्हें 'फ्री' मिल रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शहरी गरीबी उन्मूलन पर बुधवार को सुनवाई करते हुए सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि फ्रीबीज की वजह से लोग काम नहीं करना चाहते। लोगों को बिना काम किए पैसे मिल रहे हैं। ऐसे में उन्हें मुख्यधारा में लाना प्राथमिकता है। शीर्ष अदालत ने चुनाव जीतने के लिए मुफ्त चीजों की घोषणा करने की प्रथा पर कड़ी आलोचना की और कहा कि लोग ऐसे चुनावी वादों के कारण 'काम करने के लिए तैयार नहीं हैं' क्योंकि उन्हें मुफ्त राशन और पैसा मिलता है। शीर्ष अदालत ने पूछा कि क्या ऐसी आकर्षक घोषणाओं के कारण 'परजीवियों का एक वर्ग' पैदा हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि मुफ्त राशन के कारण, जब चुनाव का ऐलान होता है, तो लोग काम करने को तैयार नहीं होते। उन्हें बिना कोई काम किए मुफ्त राशन मिल रहा है। कोर्ट ने कहा कि क्षमा करें, लेकिन इन लोगों को मुख्यधारा के समाज का हिस्सा न बनाकर, क्या हम परजीवियों का एक वर्ग नहीं बना रहे हैं। जस्टिस बीआर गवई और

जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ शहरी क्षेत्रों में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही थी। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी ने पीठ को सूचित किया कि केंद्र सरकार शहरी बेघर लोगों के लिए आश्रय के प्रावधान जैसे मुद्दों के समाधान के लिए शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। अदालत ने अटॉर्नी जनरल से कहा कि वह सरकार से पूछें कि शहरी गरीबी राहत कार्यक्रम कब शुरू होगा। मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद फिर से होगी। सुप्रीम कोर्ट की यह कड़ी टिप्पणी दिल्ली विधानसभा चुनाव के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें भाजपा और आप दोनों ने कई आकर्षक वादे किए थे, जिन्हें वे सत्ता मिलने के बाद पूरा करेंगे। आप के ऐसे वादों में महिला सम्मान योजना (प्रत्येक महिला को 2,100 रुपये मासिक सहायता), पानी के बिलों की माफी, पुरुष छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा और सभी छात्रों के लिए मेट्रो किराए में 50 फीसदी की छूट शामिल थी। भाजपा ने महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता, हर होली और दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर देने का भी वादा किया। मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी इस तरह की मासिक वित्तीय सहायता के वादे किए गए थे, जिसने राज्य चुनावों में भाजपा की जीत पक्की की।

हिमंता की 8 सेमीकंडक्टर कंपनियों के प्रमुखों से चर्चा

असम सीएम का सिंगापुर दौरा

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा 10 फरवरी को सिंगापुर पहुंचे। यहां उनकी सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शणमुगर्तनम से रणनीतिक सहयोग पर चर्चा हुई। असम सीएम ने बताया कि असम 2.0 के

रोडमैप में सिंगापुर का अहम योगदान रहने वाला है। असम के मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन से भी मुलाकात की और भारत की ईस्ट एशिया पॉलिसी के तहत दोनों देशों के मजबूत संबंध पर जोर दिया। हिमंता ने 8 सेमीकंडक्टर कंपनियों के प्रमुखों से बात की। हिमंता ने इन कंपनियों को राज्य की इलेक्ट्रॉनिक सिटी जागीरोड में संभावनाएं तलाशने के लिए न्योता दिया।

टीएमसी छोड़कर दोबारा कांग्रेस में लौटे में अभिजीत

चार साल हुई घरवापसी

कोलकाता (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने चार साल बाद राजनीतिक तौर से घरवापसी की है। बुधवार को मुखर्जी एक बार फिर कांग्रेस में शामिल हो गए। 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद वह तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 2012 और 2014 में

जंगीपुर से सांसद रहे अभिजीत मुखर्जी 2019 में लोकसभा चुनाव में हार गए थे। बता दें कि उनकी बहन शर्मिष्ठा मुखर्जी ने हाल में ही कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। अभिजीत मुखर्जी के कांग्रेस में शामिल होने के बाद पार्टी ने राहत की सांस ली है। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे और पूर्व लोकसभा सांसद अभिजीत मुखर्जी ने लगभग चार साल तृणमूल कांग्रेस में बिताने के बाद कांग्रेस में वापसी कर ली है।

घुसपैठ रोकने नया विधेयक ला रही है केंद्र की सरकार

अवैध तरीकों से घुसने वालों की अब खैर नहीं, सख्त होंगे नए प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ब्रिटेन सहित दुनिया के कई देश घुसपैठ को रोकने के लिए सख्त कदम उठा रहे हैं। अब भारत भी इस दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। भारत में बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के प्रवेश करने वालों को सख्त सजा दी जाएगी। इसके लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार संसद में एक विधेयक ला रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के प्रवेश करने वाले किसी भी विदेशी नागरिक को अब अधिकतम पांच साल तक की जेल और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। यदि कोई व्यक्ति जाली पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के साथ भारत में प्रवेश करता है, तो उसे कम से कम दो साल और अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है, जबकि जुर्माना 1 लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक हो सकता है। यह प्रावधान आप्रवासन और विदेशी विधेयक, 2025 का हिस्सा है, जिसे इस सत्र में लोकसभा में पेश किए जाने की तैयारी है। इस विधेयक का उद्देश्य चार पुराने कानूनों को समाप्त करके एक व्यापक कानून बनाना है।

सिख दंगा मामले में सज्जन कुमार दोषी करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 के सिख दंगा मामले में सज्जन कुमार को दोषी करार दिया गया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया है। सिख विरोधी दंगा

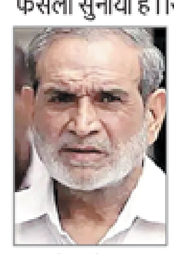

मामले में सज्जन कुमार को दोषी करार दिया गया है। 1984 सिख विरोधी दंगे मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सरस्वती विहार इलाके में दो लोगों की हत्या के लिए दोषी ठहराया। 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़े मामले में सज्जन कुमार आरोपी थे।

मोदी-ट्रंप की मुलाकात पर रहेगी दुनियाभर की नजर

- आज वॉशिंगटन में होने जा रही है मुलाकात, मजबूत होंगे भारत-अमेरिका रिश्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बहुप्रतीक्षित मुलाकात 13 फरवरी को वॉशिंगटन में होने जा रही है। इस हाई-प्रोफाइल बैठक पर दुनिया भर की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि यह पीएम मोदी की दूसरी बार राष्ट्रपति बने ट्रंप के साथ पहली द्विपक्षीय बैठक होगी। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी 12 फरवरी की शाम को वॉशिंगटन पहुंचेंगे। इसके बाद अगले दिन 13 फरवरी को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी अहम बैठक होगी। हालांकि, बैठक के सटीक समय को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह ऐतिहासिक

बैठक पीएम मोदी और भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारित होगी। इसके अलावा, कई प्रमुख टेलीविजन समाचार चैनल भी इस बैठक का व्यापक कवरेज देंगे। वहीं, व्हाइट हाउस के आधिकारिक पोर्टल पर भी इसके प्रसारण की संभावना जताई जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी।

गुलियन बेरी सिंड्रोम से पहली मौत, मच गया हड़कंप

पुणे के बाद अब मुंबई में जीबीएस ने पसारे पांव

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में जीबीएस के तांडव के बाद अब संक्रमण मुंबई तक पहुंच गया है। मुंबई के नायर अस्पताल में भर्ती 53 साल के एक मरीज की मौत हो गई है। मुंबई में जीबीएस सिंड्रोम वायरस से मौत का यह पहला मामला है। मरीज वडाला इलाके का रहने वाला था और बीएमसी के बीएन देसाई अस्पताल में वार्ड बॉय के रूप में काम करता था। नायर अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, वो काफी दिनों से बीमार था और उसका इलाज चल रहा था। वहीं नायर अस्पताल में एक नाबालिग लड़की भी भर्ती है, जिसे जीबीएस वायरस हुआ है। यह लड़की पालघर की रहने

वाली है और 10वीं कक्षा की छात्रा है। इससे पहले 6 फरवरी को भी जीबीएस सिंड्रोम वायरस की चपेट में आने से एक मरीज की मौत हो गई थी। वहीं, 26 जनवरी को महाराष्ट्र के पुणे में गुलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) बीमारी से एक चार्टर्ड अकाउंटेंट का निधन हो गया था। वह डीएसके विश्वा इलाके में रहता था। जीबीएस एक न्योरोलॉजिक बीमारी है। स्वाइन फ्लू के तरह इस बीमारी के लक्षण होते हैं। जिसमें सर्दी, जुकाम और तेज बुखार आता है। इसके कारण मांसपेशियों में कमजोरी हो जाती है और शरीर के अंग सुन्न पड़ जाते हैं।

आंध्र प्रदेश की वर्किंग वूमन को बड़ा तोहफा

वर्क फ्रॉम होम के लिए किया पॉलिसी का ऐलान

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश सरकार राज्य की कामकाजी महिलाओं को बड़ा तोहफा देने जा रही है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने ऐलान किया है कि सरकार महिलाओं को वर्क फ्रॉम होम देने के लिए स्कीम लाई है। सीएम नायडू ने कहा कि

इस फैसले के बाद प्रोफेशनल महिलाओं को वर्क लाइफ और फैमिली को बैलेंस करने में सुविधा होगी। सरकार के इस फैसले की एक्स पर जानकारी देते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से रिमोट वर्किंग और हाइब्रिड मोड अधिक लोकप्रिय हो गए हैं।

शिंदे को मिला अवॉर्ड तो जल-भुन गए संजय राउत

शरद पवार पर जताई नाराजगी

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली में महाराष्ट्र के पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे को महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य की मौजूदगी में शरद पवार ने शिंदे को सम्मानित किया। सम्मान समारोह में गदगद एकनाथ शिंदे ने शरद पवार की जमकर तारीफ की। अवॉर्ड सेरेमनी में एकनाथ शिंदे ने शरद पवार की तारीफ करते हुए कहा कि राजनीतिक दायरे से अलग सबसे अच्छे रिश्ते कैसे रखे जाते हैं, यह पवार साहब से सीखा जा सकता है। शिंदे द्वारा गई शरद

पवार की ये तारीफ शिवसेना (उद्धव गुट) को पसंद नहीं आया। यूबीटी सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी बिके हुए हैं। ऐसे अवॉर्ड तो खरीदे और बेचे जाते हैं। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि शरद पवार ने शिंदे का सत्कार भी किया।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास का निधन

बाबरी विध्वंस के वक्त रामलला को गोद में लेकर भागे थे, टीचर के बाद पुजारी बने

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का 80 साल की उम्र में निधन हो गया। बुधवार सुबह 7 बजे लखनऊ में उन्होंने आखिरी सांस ली। 3 फरवरी को ब्रेन हेमरेज के बाद उनको अयोध्या से लखनऊ रेफर किया गया था। आचार्य सत्येंद्र दास का पार्थिव शरीर अयोध्या के सत्य धाम गोपाल मंदिर आश्रम में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। आचार्य सत्येंद्र दास के निधन पर सीएम योगी ने शोक जताया है। आचार्य सत्येंद्र दास को कल यानी 13 फरवरी को दोपहर 12 बजे जल समाधि दी जाएगी। सत्येंद्र दास 32 साल से रामजन्मभूमि में बतौर मुख्य पुजारी सेवा दे रहे थे। 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी विध्वंस के समय वे रामलला को गोद में लेकर भागे थे। सत्येंद्र दास का जन्म संतकबीरनगर जिले में 20 मई, 1945 में हुआ था। यह जिला

अयोध्या से 98 किमी दूर है। वे बचपन से ही भक्ति भाव में रहते थे। उनके पिता अक्सर अयोध्या जाया करते थे, वह भी अपने पिता के साथ अयोध्या घूमने जाते थे। अयोध्या में उनके पिता अभिराम दास जी के आश्रम में आते थे। सत्येंद्र दास भी अभिराम जी के आश्रम में आने लगे थे। अभिराम दास वही थे, जिन्होंने राम जन्मभूमि में 22-23 दिसंबर 1949 में गर्भगृह में राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और सीता जी की मूर्तियों के प्रकट होने का दावा किया था। इन्हीं मूर्तियों के आधार पर आगे की लड़ाई लड़ी गई। मूर्तियों के प्रकट होने के दावे और अभिराम दास जी की रामलला के प्रति सेवा देखकर सत्येंद्र दास बहुत प्रभावित हुए। उन्हीं के आश्रम में रहने के लिए उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया। सत्येंद्र दास ने 1958 में घर छोड़ दिया। उनके परिवार में दो भाई और एक बहन थीं। बहन का निधन हो चुका है।

बिहार चुनाव में दिखेगा 'दिल्ली वाला फैक्टर'

विरोधियों से पहले आपस में ही भिड़ेंगे 'दोस्त'

पटना (एजेंसी)। दिल्ली की सत्ता में बीजेपी की वापसी के बाद अब सभी सियासी दलों का फोकस बिहार पर शिफ्ट होने लगा है। इस साल बिहार में भी विधानसभा चुनाव है। बिहार चुनाव में नीतिश कुमार रिकॉर्ड पांचवीं बार बहुमत हासिल करने का प्रयास करेंगे तो वहीं राजद तेजस्वी के नेतृत्व में दो दशक की एंटी इनकंबेंसी को भुनाने की कोशिश करती नजर आएगी। बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव हो सकता हैं। यहां एनडीए गठबंधन में बीजेपी अभी जदयू के मुकाबले बड़े दल की भूमिका में है। बात अगर महागठबंधन की करें तो यहां राजद सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि कांग्रेस और

लेफ्ट सहयोगियों की भूमिका में हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी उत्साहित भी है, क्योंकि उसने हाल ही में महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के कठिन विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की है। बिहार के लिए एनडीए ने राज्य की 243 विधानसभाओं में से 225 का टारगेट रखा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीएम नरेंद्र मोदी भी 24 फरवरी को विकास कुछ योजनाओं का उद्घाटन और किसानों को संबोधित करने के लिए बिहार आ रहे हैं। भले ही महागठबंधन में कांग्रेस पार्टी की हैसियत छोटे दल की हो लेकिन उसने अभी से अपना फोकस बिहार पर कर लिया है। बीती पांच फरवरी को ही राहुल गांधी पटना के एक दिवसीय दौरे पर थे। यह 18 दिनों में बिहार का उनका दूसरा दौरा था। माना जा रहा है कि दिल्ली चुनाव परिणाम का असर बिहार में दिखाई देगा, खासकर दोनों गठबंधनों के बीच सीट शेयरिंग में।

मायावती ने अपने समधी को ही बीएसपी से किया बाहर

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने बड़ा ऐक्शन लिया है। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को बसपा से बाहर कर दिया है। राज्य सभा सांसद रहे सिद्धार्थ की डॉक्टर बेटी से आकाश की शादी हुई है। अशोक सिद्धार्थ के पिता बीएसपी संस्थापक

कांशीराम जी के सहयोगी रहे हैं। मायावती ने इस बारे में एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा- बीएसपी की ओर से खासकर दक्षिणी राज्यों आदि के प्रभारी रहे डॉक्टर अशोक सिद्धार्थ, पूर्व सांसद व नितिन सिंह, ज़िला मेरठ को, चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी आदि की पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी के हित में तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया जाता है। अशोक सिद्धार्थ के बारे में कहा जाता है कि वह बसपा के ऐसे लो प्रोफाइल नेता हैं। वे पार्टी में पर्दे के पीछे रहकर काम करने को तवज्जो देते थे। चर्चाओं से हमेश दूर रहे हैं। उन्हें लंबे समय से मायावती के बेहद करीबी नेताओं में गिना जाता रहा हैं। मायावती की नजदीकी के कारण उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़कर राजनीति में एंट्री ली। मायावती ने उन्हें पहले एमएलसी बनाया।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

भारत और फ्रांस के बीच सम्मान और विश्वास की परस्पर दोस्ती

भारत फ्रांस के करीबी साझेदारों में से एक है। दोनों देशों के बीच परस्पर सम्मान और विश्वास का रिश्ता रहा है। चीन के बरक्स भारत की क्षमता बढ़ाने में सहयोग का मसला हो या सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए दावा, फ्रांस ने हर बड़े मौके पर भारत का साथ दिया है। दुनिया में तेजी से उभरती ताकत के रूप में भारत की संभावनाओं को फ्रांस पहले ही भांप चुका है। हाल के वर्षों में अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर पनडुब्बी बनाने में सहयोग कर उसने साबित कर दिया कि वह भारत का न केवल भरोसेमंद बल्कि सबसे बड़ा रणनीतिक सहयोगी है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की परस्पर निकटता का प्रमाण कई बार मिल चुका है। इस बार दोनों देशों ने आधुनिक परमाणु संयंत्रों को संयुक्त रूप से विकसित करने का संकल्प किया है। फ्रांस के मारसेई में एक आशय पत्र पर दस्तखत के बाद दोनों देशों ने स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा और कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था के लिए परमाणु ऊर्जा अहम है। इस लिहा ज से देखें, तो परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग की दिशा में यह महत्त्वपूर्ण कदम है।

पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा से व्यापार संबंध और मजबूत होने की उम्मीद बंधी

फ्रांस न केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का साथ देता रहा है, बल्कि रणनीतिक साझेदारी निभाते हुए आर्थिक संबंध मजबूत करने की दिशा में भी सहयोग करता रहा है। नतीजा यह कि वर्ष 2022-23 में दोनों देशों के बीच कारोबार उन्नीस अरब डालर तक पहुंच गया था। इससे पहले वर्ष 2000 से 2024 के मध्य फ्रांस से कोई दस अरब डालर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया था। स बार की प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा के दौरान भी व्यापार और निवेश बढ़ाने पर दोनों देशों ने जोर दिया है। इससे व्यापार संबंध और मजबूत होने की उम्मीद बंधी है। इसके अलावा दोनों देश जलवायु संकट से निपटने की दिशा में भी एक मंच पर काम कर रहे हैं। इसके लिए भारत और फ्रांस ने 'इंटरनेशनल सोलर अलायंस' का गठन किया, जिसमें सौ से अधिक देश शामिल किए गए थे।

फ्रांस एक बार फिर सच्चे दोस्त के रूप में आया सामने

भारत-फ्रांस के शीर्ष नेताओं ने असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में जिस तरह इस बार परस्पर सहयोग की गंभीरता से समीक्षा की है । दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्धता जता कर साफ कर दिया है कि उनके संबंध बहुआयामी हैं।

गाली-गलौज वाली कॉमेडी से करोड़ों की कमाई, क्या बुरे फंसे समय रैना; अलाहबादिया को कितनी सजा मुमकिन

समय रैना के 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में रणवीर अलाहबादिया के अश्लील कमेंट पर 2 दिनों से हंगामा मचा है। माफी मांगने और वीडियो हटाने के बावजूद मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। देशभर में उनके खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई गईं। मंगलवार को मुंबई पुलिस भी अलाहबादिया के घर समन लेकर पहुंची और संसदीय समिति तक में मामला उठाया गया।

कॉमेडियन समय रैना ने 7 महीने पहले यूट्यूब पर एक शो शुरू किया- इंडियाज गॉट लेटेंट। ये 'रॉ' और 'अनफिल्टर्ड' था, जिसमें कॉमेडी के लिए खूब गालियां दी जाती हैं। इस शो में देशभर से कंटेस्टेंट शामिल होते हैं। अपना अतरंगी टैलेंट (नो-टैलेंट) दिखाते हैं और फिर पैनल में मौजूद 4-5 लोग कंटेंस्टेंट के साथ हंसी-मजाक करते हैं, उन्हें रोस्ट करते हैं। एक शो सुपरहिट हो गया। हर एपिसोड को औसतन 30-40 मिलियन व्यूज आते हैं।

8 फरवरी को इस शो का एक मेंबर्स ओनली एपिसोड रिलीज किया गया। इसके पैनल में समय रैना, पॉडकास्टर रणवीर अलाहबादिया, यूट्यूबर आशीष चंचलानी, कॉमेडियन जसप्रीत सिंह और यूट्यूबर अपूर्वा मखीजा थे। इस दौरान रणवीर ने एक कंटेस्टेंट से पूछा, 'क्या आप अपने माता-पिता को जीवन भर हर दिन *** करते देखना पसंद करेंगे या एक बार इसमें शामिल होकर इसे हमेशा के लिए बंद कर देंगे।'

ऐसे ही अपूर्वा मखीजा ने एक कंटेस्टेंट से पूछा- 'पैदा होने के बाद कभी **** देखी है?' हर एपिसोड की तरह समय रैना का गालीगलौज भी जारी था। शो की ऐसी कई क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

9 फरवरी को जर्नलिस्ट और राइटर नीलेश मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक ट्वीट को रिपोस्ट करते हुए कहा, 'यह हमारे देश की इकोनॉमी को बढ़ाने वाले कंटेंट क्रिएटर्स हैं। मुझे यकीन है कि इनके लाखों फॉलोअर्स होंगे। इस अश्लील वीडियो को एडल्ट कंटेंट सेक्शन में नहीं रखा गया, जिससे इस वीडियो को कोई भी बच्चा आसानी से देख सकता है। ये क्रिएटर्स राइट टू फ्रीडम के नाम पर कुछ भी कह सकते हैं और बच सकते हैं।'

धीरे-धीरे मामला तूल पकड़ता गया। 10 फरवरी को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने X पर लिखा, 'आज गुवाहाटी पुलिस ने 5 इन्फ्लूएंसर के खिलाफ FIR दर्ज की। इन पर इंडियाज गॉज लेटेंट शो में अश्लीलता को बढ़ावा देने और सेक्शुअल और अश्लील चर्चा में शामिल होने के तहत मामला दर्ज हुआ।'

11 फरवरी को बॉम्बे हाईकोर्ट के दो वकील आशीष राय और पंकज मिश्रा ने मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फलसंकर और महाराष्ट्र महिला आयोग को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की।

शिवसेना (UBT) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मामले को संसदीय समिति में उठाने की बात कही। राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) की अध्यक्ष विजया राहतकर ने सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर सोशल मीडिया स्ट्रीमिंग साइट्स और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर अश्लील कंटेंट पर रोक लगाने की मांग की।

इतने हंगामे के बाद रणवीर अलाहबादिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक वीडियो जारी कर माफी मांगी। रणवीर ने कहा, इंडियाज गॉट लेटेंट से जुड़े 4 बड़े विवाद...

1. अरुणाचल के लोगों पर डॉग मीट खाने के बयान का विवाद

शो के एक एपिसोड में कॉमेडियन जेसी नबाम ने कहा, 'अरुणाचल प्रदेश के लोग डॉग मीट खाते हैं। यहां तक कि मेरे कुछ दोस्त पालतू जानवरों को भी खा जाते हैं।'

इसके बाद सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा हो गया। नतीजतन 31 जनवरी 2025 को जेसी के खिलाफ अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में FIR दर्ज हुई।

2. दीपिका पादुकोण पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विवाद

स्टैंडअप कॉमेडियन बंटी बनर्जी ने एक एपिसोड में पादुकोण के मां बनने और डिप्रेशन का मजाक उड़ाया। बंटी ने कहा, 'दीपिका भी हाल ही में मां बनी हैं, बढ़िया। अब उन्हें पता चल गया है कि डिप्रेशन असल में कैसा होता है।'

बंटी के इस बयान पर सभी लोग हंसने लगे। हालांकि, इस पर बाद में काफी विवाद हुआ।

3. उर्फी जावेद पर भद्दे कमेंट्स का विवाद

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मॉडल उर्फी जावेद पर शो के दौरान भद्दे कमेंट पास किए गए, जिसके बाद उर्फी शो को बीच में ही छोड़कर निकल गईं। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि शो के एक कंटेस्टेंट ने उन्हें बदनाम किया और उनकी तुलना एडल्ट फिल्म एक्ट्रेस मिया खलीफा से की।

4. कॉस्ट्यूम कट वाले परफॉर्मेंस का विवाद

शो के एक एपिसोड में कॉस्ट्यूम कटर मोहम्मद आदिल और मॉडल प्रियंका हलदर ने अनोखा एक्ट किया। आदिल ने मंच पर प्रियंका की ड्रेस को कई जगह से कैंची से काटा और कट-आउट में बदल दिया। प्रिंयका आदिल को अपना दोस्त बताती है। वह शादीशुदा हैं और 15 साल के बच्चे की मां भी हैं। इस पर लोगों ने एक्ट की जमकर आलोचना की। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने लिखा- 'एक मां, वाइफ और बेटी के तौर पर प्रियंका फेल हैं।'

सवाल 5: अश्लील जोक, गाली-गलौज के पीछे छुपा हुआ धंधा क्या है?

जवाब: समय रैना ने जून 2024 तक अपने यूट्यूब चैनल पर करीब 950 वीडियोज डाले थे। इनमें कुल 65 करोड़ व्यूज आए, यानी हर वीडियो में करीब 7 लाख। इस वक्त तक वो चैनल पर चेस, ऑनलाइन गेमिंग, लाइव स्ट्रीमिंग और नॉर्मल कॉमेडी के वीडियोज डालते थे।

जून 2024 में इंडियाज गॉट लेटेंट लॉन्च करने के बाद सिर्फ 17 वीडियोज में उन्हें करीब 35 करोड़ व्यूज मिले हैं। यानी हर एपिसोड में 2 करोड़ से ज्यादा व्यूज। 'रॉ' और 'अनफिल्टर्ड' कॉमेडी, जिसमें गाली-गलौच भी है, उसने उन्हें पॉपुलैरिटी के नए मुकाम तक पहुंचाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक वो हर महीने सिर्फ यूट्यूब से करीब 1.5 करोड़ रुपए कमा रहे हैं।

इसके अलावा उनके स्टैंड-अप शोज हाथोहाथ बिक जाते हैं। एक स्टैंड-अप शो की 60 लाख रुपए तक की टिकट बिक जाती हैं। इंडियाज गॉट लेटेंट की वजह से समय की पॉपुलैरिटी, ब्रांड वैल्यू और नेटवर्थ ऑल टाइम हाई है।

कैरी मिनाती: यूट्यूबर अजय नागर भारत के सबसे बड़े यूट्यूब चैनल में से एक 'कैरी मिनाती' (4.5 करोड़ सब्सक्राइबर्स) चलाते हैं। वे गेमिंग, रिएक्शन और रोस्ट वीडियोज बनाते हैं। कैरी के सभी वीडियो में गाली-गलौज होता है। हर एक वीडियो को एवरेज 2 करोड़ से ज्यादा लोग देखते हैं। अजय हर महीने करीब 30-50 लाख रुपए कमाते हैं और इनकी नेटवर्थ 50 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

बीबी की वाइंस: भुवन बाम का 'बीबी की वाइंस' (2.66 करोड़ सब्सक्राइबर्स) चैनल है। ये कॉमेडी वीडियो बनाते हैं, जिनके कैरेक्टर्स के नाम भी गाली-गलौज के शब्दों से लिए गए हैं। भुवन के हर वीडियो पर एवरेज 2.6 करोड़ व्यूज आते हैं। भुवन हर महीने 1 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाते हैं। इनकी नेटवर्थ 122 करोड़ रुपए से अधिक है।

हर्ष बेनीवालः हर्ष बेनीवाल फेमस यूट्यूबर हैं। ये अपनी कॉमेडी और ट्रेंडिंग वीडियो के लिए जाने जाते हैं। 'हर्ष बेनीवाल' के चैनल पर 1.6 करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। ये अपने वीडियो में दोस्तों का मजाक, रिलेशनशिप पर भद्दे कमेंट और अपशब्दों का जमकर इस्तेमाल करते हैं। एक वीडियो को एवरेज 1.1 करोड़ से ज्यादा यूजर्स देखते हैं। हर्ष की नेटवर्थ 30 करोड़ रुपए से ज्यादा है और ये 20 से 30 लाख रुपए महीना कमाते हैं।

एल्विश यादव: यूट्यूबर एल्विश यादव सांपों की तस्करी से लेकर गुंडागर्दी की वजह से चर्चा में रहे हैं। एल्विश के यूट्यूब चैनल पर 1.5 करोड़ और ब्लॉग चैनल पर 83 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। हर वीडियो पर एवरेज 80 लाख से अधिक व्यूज आते हैं। एल्विश के वीडियोज में धमकियां और गाली-गलौज आम बात है। एल्विश की नेटवर्थ 50 करोड़ रुपए से ज्यादा है और हर महीने की कमाई 25 लाख रुपए से ज्यादा है।

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी के मुताबिक आजकल डिजिटल कंटेंट में 'Shock Value' यानी चौंकाने वाले या विवादित कंटेंट का ट्रेंड बढ़ रहा है। लोग ध्यान आकर्षित करने के लिए नैतिकता और संवेदनशीलता की सीमाओं को लांघने लगे हैं। इस तरह के प्रश्न मनोरंजन के बजाय 'social voyeurism' को बढ़ावा देते हैं, जिसमें लोग दूसरों की असहजता को देखना पसंद करते हैं।

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि यंग जनरेशन को जो चीजें मना हो, उन्हें उसके बारे में जानने में ज्यादा मजा आता है। इसे रिवोल्ट फैक्टर कहते हैं। समाज में गालियां वर्जित हैं। इसलिए लोगों को इन्हें सुनना और सुनाना पसंद है। ऐसे वीडियोज ही ज्यादा देखे भी जा रहे हैं। एक फैक्टर ये भी है कि गालियां सुनकर और देकर लोगों को स्ट्रेस से रिलीफ का एहसास होता है। कॉमेडी और वीडियोज में गाली देना क्रिएटर्स ने 'कूल' मान लिया है।

वैलेन्टाइन डे

श्वेता गोयल

जब शब्द कम पड़ जाएं तब बोलते हैं गुलाब

वैलेंटाइन दिवस का अवसर हो और फूलों का जिक्र न हो, ऐसा भला कैसे हो सकता है। अपने दिल की बात यदि आप जुबां से कहने की हिम्मत न जुटा पाएं तो आपका यह काम फूल बेहद आसान कर देते हैं। वैसे भी फूलों के बिना प्यार का इजहार तो अधूरा ही माना जाता है और जब बात फूलों की छिड़े तो फूलों के राजा गुलाब का तो कहना ही क्या! कवियों, शायरों से लेकर प्रेमियों तक की पसंद रहा है गुलाब। यहां तक कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू भी गुलाब के दीवाने थे, जिनकी अचकन में सदैव गुलाब का फूल लगा रहता था। मुगल बेगम नूरजहां को लाल गुलाब बेहद प्रिय था और कहा जाता है कि नूरजहां को खुश करने के लिए उनके शौहर प्रतिदिन कई टन ताजे गुलाब उनके महल भिजवाया करते थे। गुलाब के इत्र का आविष्कार नूरजहां ने ही किया था। वैलेंटाइन डे तो प्रेमियों द्वारा एक-दूसरे को उपहारों के साथ-साथ गुलाब भेंट करने का भी सबसे अच्छा मौका है। दुनियाभर में गुलाब की करीब एक हजार प्रजातियां पाई जाती हैं। कहने को गुलाब भले ही कई रंगों और रूपों में देखने को मिलता है लेकिन वास्तव में गुलाब के सभी रूप और रंग प्रेम के इजहार और शांति का प्रतीक हैं और गुलाब के हरेक रंग का अपना अलग ही मतलब है। गुलाब अपनी भाषा में आपकी भावनाओं को दूसरे तक पहुंचाता है। कहीं ऐसा न हो कि गुलाब के माध्यम से आप अपने प्रेमी अथवा प्रेमिका को जो संदेश देना चाहते हैं, गलत रंग के फूल के चुनाव से वह संदेश गलत अर्थ में आपके साथी तक पहुंचे, इसलिए यदि आप किसी को गुलाब दे रहे हैं तो अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से पहले आपके लिए यह जान लेना बहुत जरूरी है कि आपकी भावनाओं के हिसाब से किस रंग के गुलाब का चयन सबसे बेहतर रहेगा। आइए जानें विभिन्न रंगों के गुलाब के फूलों की भाषा। वैलेंटाइन डे पर लाल गुलाब का चलन सर्वाधिक होता है। सुर्ख लाल गुलाब अजर-अमर प्रेम तथा पैशन का प्रतीक है और इसका उपयोग प्रेम का इजहार करने के लिए ही किया जाता है। किसी के लिए आपके दिल में कितना प्यार है, यह लाल गुलाब से बेहतर भला और कौन व्यक्त कर सकता है। यदि साथी लाल गुलाब को स्वीकार कर लेता है तो इसका अर्थ है कि उसे आपका प्रेम प्रस्ताव स्वीकार है। यदि आप किसी को बेइंतहा प्यार करते हैं और चाहते हैं कि वह आपके इस प्यार को आसानी से समझ सके तो उसे प्यार की निशानी के तौर पर लाल रंग का गुलाब भेट कर सकते हैं, जो आपके प्यार का इजहार करने में आपकी मदद करेगा। गुलाबी गुलाब सौम्यता, मित्रता और दिल की धड़कन का प्रतीक है। वैलेंटाइन डे पर गुलाबी गुलाब देने का अर्थ है कि दिल की धड़कन अब सिर्फ और सिर्फ तुम्हारे लिए ही धड़क रही है। किसी दोस्त को आप अपने साथ का अहसास कराना चाहते हैं तो हल्के गुलाबी रंग का गुलाब उस अहसास को उस तक पहुंचाने का कार्य करेगा। सफेद गुलाब गोपनीयता, मासूमियत, मौन, पवित्रता तथा सच्चे, निर्मल और आध्यात्मिक प्रेम का प्रतीक है। सफेद गुलाब सच्चे प्रेम और मस्तिष्क की शुद्धता को दर्शाता है। यह शांति और स्वच्छता का प्रतीक भी माना जाता है। यदि आप किसी से माफी मांगने के लिए उसे कुछ देना चाहते हैं तो सफेद गुलाब भेंट कर सकते हैं। पीला गुलाब सामाजिकता और मित्रता का प्रतीक है। दरअसल पीले रंग का गुलाब मित्रता की निशानी माना जाता है और कहा जाता है कि प्यार की शुरूआत हमेशा मित्रता से ही होती है। काला गुलाब बिछुड़ते दिलों के लिए है और विदाई का प्रतीक है। यदि कोई जबरदस्ती आपके पीछे पड़ा है और आप उससे प्यार नहीं करते या किसी के साथ प्रेम संबंधों को जारी रखना अब आपके लिए संभव नहीं हो पा रहा तो जुबां से कुछ कहने के बजाय प्रेमपूर्वक उसे काला गुलाब दे दें, आपका काम हो जाएगा। बैंगनी गुलाब पहली नजर के प्यार का इजहार करने के लिए परफेक्ट माना जाता है। गहरा बरगंडी गुलाब अचेत सुंदरता का प्रतीक है। नारंगी गुलाब भावनाओं, आकर्षण और अनंत प्यार का प्रतीक है। नारंगी गुलाब हमारी इच्छा को बताने का कार्य करता है। लाल-सफेद गुलाब दोनों एक साथ देना एकता का प्रतीक है जबकि लाल-पीला गुलाब खुशी की भावनाओं का इजहार करते हैं। सफेद गुलाब की बंद कली देने का अर्थ है कि अभी आप मेरे प्यार के लिए बहुत छोटे हैं जबकि गुलाब का एक फूल सीधेपन का प्रतीक है। गुलाब की कलियां संदेश देती हैं कि आप युवा और बहुत सुंदर हैं जबकि खिले गुलाब के साथ रखी दो कलियां सुरक्षा के आश्वासन की प्रतीक हैं और कांटेरहित गुलाब की डंडी पहली नजर के प्रेम की प्रतीक है।

((लेखिका शिक्षण क्षेत्र से जुड़ी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दृष्टिकोण को बनाएं व्यापक

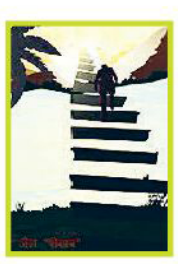

संकलित

दर्शन

हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे सब कुछ अच्छा करें। परीक्षाओं और प्रतियोगिताओं में लगातार जीतने की इच्छा उनके लिए जीवन से भी बड़ी हो जाती है। वे विश्वास करने लगते हैं कि हर कीमत पर जीतना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब उन्हें अस्वीकृति मिलती है, तब वे नहीं समझ पाते कि उन्हें क्या करना चाहिए। दरअसल, हम उन्हें विशाल दृष्टिकोण नहीं देते, तब जीवन में क्या सबसे महत्वपूर्ण है, इसके विषय में उनकी समझ असंतुलित हो जाती है। विशाल दृष्टिकोण यह है कि जीवन स्वयं में एक बहुत बड़ी परीक्षा है, जिससे होकर आप गुजर रहे हैं। ऐसा मत सोचिए कि परीक्षा में सफल या असफल हो जाने से पूरे जीवन की दिशा निर्धारित हो जाएगी। जो मूल्य एक दूसरे के विपरीत प्रतीत होते हैं, जैसे जीत या हार, सफलता या असफलता, ऊंचा या नीचा, वे वास्तव में एक दूसरे के पूरक हैं। एक मूल्य दूसरे मूल्य के महत्व को बढ़ाता है। एक विशाल आध्यात्मिक दृष्टिकोण के साथ ही युवा बिना अपनी मुस्कान और उत्साह को खोए हुए, जीवन के इन विपरीत मूल्यों की प्रशंसा करना सीख सकते हैं। ऐसी शक्ति, ऐसी मुस्कान, जिसे कोई छीन न सके और ऐसा साहस, जो विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में भी समाप्त ना हो, वह सफलता है। युवाओं को स्वयं और समाज के लिए बड़े लक्ष्य और विशाल दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए और सेवा को जीवन का एक हिस्सा बनाना चाहिए। ऐसी प्रतिबद्धता आपको बाधाओं के पार ले जा सकती है। जब आपके पास एक बड़ा लक्ष्य होता है, जिस पर आप काम कर रहे होते हैं।

मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहाँ से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते मे जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी में भर कर ले जाए। दोनों निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और साँस भी चढ़ने लग गई। एक एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बाँटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुँचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बाँटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुँच पाएँगे। आखिर लालच ही बुरी बला है।

प्रयागराज कुंभ

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला उत्सव के दौरान संगम तट पर एक साधु के शिविर में गुरुवार को श्रद्धालु उनसे आशीर्वाद लेते हुए।

आज की पाती

जिंदगी का एक पड़ाव मात्र है परीक्षा

हर वर्ष परीक्षा के मौसम में एक ही कहानी दोहराई जाती है। छात्रों पर असीमित दबाव, माता-पिता की बढ़ती चिंताएं, और समाज की अपेक्षाएं। लेकिन क्या हम कभी सोचते हैं कि इस दबाव का हमारी युवा पीढ़ी पर क्या प्रभाव पड़ता है? क्या परीक्षा वाकई इतनी महत्वपूर्ण है कि हम अपने बच्चों का बचपन और उनकी खुशियां दांव पर लगा दें? इसी संदर्भ में परीक्षा के मौसम में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में महत्वपूर्ण संदेश दिया है। उन्होंने 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों और अभिभावकों से संवाद किया, जिसमें उन्होंने परीक्षा के दबाव से निपटने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कई छात्र अच्छे अंक प्राप्त करने के दबाव में अत्यधिक तनाव महसूस करते हैं। परीक्षा जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह सीखने का एक माध्यम है। यह जिंदगी का एक पड़ाव मात्र है।

- अजय चौबे, भिलाई

ट्रेंड

विनम्र श्रद्धांजलि

भारत कोकिला', स्वतंत्रता सेनानी और उत्तर प्रदेश की प्रथम राज्यपाल सरोजिनी नायडू जी की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में उनके अविस्मरणीय योगदान हम सभी को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

भाजपा की कथनी

भाजपा नेता यह क्यों भूल जाते हैं कि 1989 में जब वीपी सिंह की सरकार ने मंडल कमीशन की सिफारिशों को लागू किया तब इसके विरोध में भाजपा ने उनकी सरकार से समर्थन वापस ले लिया था तथा वीपी सिंह की सरकार को गिरा दिया था।'

-अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

आध्यात्मिकता का मिलन

यह आध्यात्मिकता का शांति से मिलन का एक दिव्य अनुभव था, जब मैं हरिद्वार में मां गंगा के तट पर खड़ी थी, जब मैंने उनकी पूजा की तो उनकी शांत ऊर्जा मेरे अंदर प्रवाहित हो रही थी। वह हमारे प्राचीन इतिहास का प्रमाण है। हर हर गंगे!

-पीटी उषा, पूर्व धाविका

ध्यान भटकाने को नया बिल

कई लाख करोड़ के बजट के बाद भी जनता के चेहरे पर आई मायूसी से ध्यान हटाने के लिए, अब ला रहे हैं नया बिल सबका ध्यान भटकाने के लिए। बाकी जनता समझदार है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

करंट अफेयर

पॉल कपूर दक्षिण एशियाई मामलों के राजनयिक बने

दक्षिण एशियाई सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञ पॉल कपूर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण एशियाई मामलों के लिए सहायक विदेश मंत्री के रूप में नामित किया है। अगर कपूर को सीनेट से मंजूरी मिल जाती है तो वह डोनाल्ड लू की जगह लेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने जनवरी में पुष्टि की थी कि दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू का कार्यकाल 17 जनवरी, 2025 को समाप्त हो गया है। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों का ब्यूरो अमेरिका की विदेश नीति और अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिज़स्तान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ अमेरिकी संबंधों से जुड़े मामलों को देखता है। भारतीय मूल के कपूर वर्तमान में 'यूनाइटेड स्टेट्स नेवल पोस्टग्रेजुएट स्कूल' के राष्ट्रीय सुरक्षा मामला विभाग में प्रोफेसर हैं। उन्होंने वर्ष 2020-21 के दौरान अमेरिकी विदेश विभाग के नीति नियोजन कर्मचारी के रूप में सेवाएं दी। इस विभाग में कपूर दक्षिण और मध्य एशिया, हिंद-प्रशांत रणनीति और अमेरिका-भारत संबंधों से जुड़े मामलों पर काम कर चुके हैं।

ऑफ बीट

भोजन आपकी आंत से कितनी तेजी से गुजरता है?

हममें से कई लोग खाये जाने वाले खाद्य पदार्थों पर ध्यान देते हैं और स्वयं से पूछते हैं कि क्या वे हमारे लिए पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक हैं। लेकिन क्या

आपने कभी स्वयं से यह पूछा है कि यह भोजन आपके पेट से कितनी तेजी से गुजर रहा है? इस सवाल का जवाब वाकई बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भोजन जिस गति से आपके पाचन तंत्र से गुजरता है, उसका असर आपके स्वास्थ्य और सेहत पर कई तरह से पड़ता है। एक बार जब आप अपना भोजन चबाकर निगल लेते हैं, तो यह भोजन जठरांत्र मार्ग से होकर अपनी यात्रा शुरू करता है – एक लंबा और घुमावदार मार्ग जो मुंह से शुरू होकर गुदा पर समाप्त होता है। रास्ते में, यह विशेष अंगों तक पहुंचता है, जो उसे पचाते हैं (पेट), पोषक तत्वों को अवशोषित करते हैं (छोटी आंत) और पानी और लवणों को अवशोषित करते हैं (बड़ी आंत)। भोजन के पाचन तंत्र के माध्यम से गुजरने को आंत की गतिशीलता के रूप में जाना जाता है। यह प्रक्रिया आंशिक रूप से हमारे आंत में मौजूद खरबों बैक्टीरिया द्वारा नियंत्रित होती है। आंत माइक्रोबायोम बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये बैक्टीरिया हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को विकसित करने और भोजन विघटित करने में मदद करते हैं।

रॉयल पत्रिका

न्यूज गैलरी

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने माघ पूर्णिमा पर पुष्कर में की पूजा अर्चना

रॉयल पत्रिका राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को माघ पूर्णिमा पर अजमेर स्थित पुष्कर सरोवर में पूजा अर्चना कर ब्रह्माजी के दर्शन किए। उन्होंने इस अवसर पर पावन और सनातन संस्कृति के अनुरूप देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और सनातन परम्परा समृद्ध है। ऐसी पुरातन एवं वैभवशाली सनातन संस्कृति और परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है। भारत में वर्षो से यह परंपरा चली आ रही है कि हर खास दिन पर लोग किसी न किसी पवित्र स्थान पर स्नान करते ही हैं। राजस्थान में स्थित पुष्कर में कार्तिक एकादशी से लेकर पूर्णिमा तक स्नान करने का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा है कि माघी पूर्णिमा का दिन आध्यात्मिक ऊर्जा, पुण्य और मोक्ष प्राप्ति का विशेष अवसर है। इस शुभ दिवस पर तीर्थराज पुष्कर सरोवर का पूजन व जगत पिता ब्रह्मा जी के दर्शन कर प्रदेश में निरंतर प्रगति की कामना की है।

पुलिस एस्कॉर्ट के बारे में एल्विश या पुलिस ही बताए : खाचरियावास

रॉयल पत्रिका यूट्यूबर एल्विश यादव के सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो को लेकर पुलिस की ओर से एफआईआर दर्ज करने को लेकर कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा है कि एल्विश मेरे बेटे का दोस्त है और अक्सर जयपुर आता है तो मुझसे मिलने मेरे घर आता है। एल्विश को पुलिस एस्कॉर्ट दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि हमने और न ही मेरे बेटे ने पुलिस एस्कॉर्ट की मांग की थी। यह तो एल्विश ही बता पाएगा या राजस्थान पुलिस बता सकती है कि मामला क्या था। खाचरियावास ने कहा है कि एल्विश यादव को पुलिस एस्कॉर्ट दी गई है या नहीं दी गई है, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। कोई किसी से भी मिलने के लिए आ सकता है। इसमें कोई अपराध नहीं है। मेरे बेटे ने कोई अपराध नहीं किया है। यूट्यूबर एल्विश यादव ने एक ब्लॉग शूट कर सोशल मीडिया पर शेयर किया था। वीडियो में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के बेटे कृष्णवर्धन और एल्विश दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने इसे फर्जी वीडियो बताते हुए साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है।

समर्थन मूल्य पर मूंगफली की खरीद अब 28 तक हो सकेगी

रॉयल पत्रिका प्रदेश में मूंगफली खरीद की अवधि को 28 फरवरी तक बढ़ाया गया है। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि राज्य सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को पत्र लिखकर खरीद अवधि बढ़ाने का आग्रह किया था। दक ने बताया कि भारत सरकार से प्राप्त स्वीकृति के अनुसार पूर्व में पंजीकरण करवा चुके किसान उक्त बढ़ी हुई अवधि में अपनी जिन्स का विक्रय कर सकेंगे। इसके अंतर्गत नये पंजीकरण नहीं होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्त पात्र किसानों से नियमानुसार तुलाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे मूंगफली विक्रय के इच्छुक किसान तुलाई से वंचित नहीं रहे। साथ ही, किसानों को तुलाई केन्द्रों पर कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए भी सभी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है।

मंत्री मदन दिलावर ने दिए ग्राम विकास अधिकारियों से वसूली करने के निर्देश

रॉयल पत्रिका पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में 100 करोड़ से ज्यादा का घोटाला होने के मामले में त्वरित जांच कर आरोपियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्यवाही करते हुए पूरी राशि को ब्याज सहित वसूल करने के निर्देश दिए है। दिलावर ने कहा कि किसी को नहीं बक्शा जाएगा। पाई पाई की ब्याज सहित वसूली की जाएगी और दंडित किया जाएगा। ग्रामविकास अधिकारियों ने अपने रिश्तेदारों और खुद के खाते में 100 करोड़ रुपए का फर्जी तरीके से भुगतान कर राशि उठा ली। इस प्रकार के मामले में बाड़मेर में 16 करोड़,नागौर में 12 करोड़ का गबन हुआ।

कांग्रेसजनों ने दी राठौड़ के पिता को श्रद्धांजलि

जयपुर। उद्योग व वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के पिता लक्ष्मण सिंह राठौड़ का देहांत होने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने उनके निवास स्थान पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। डोटासरा के साथ सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, विधायक हाकम अली, अमीन कागजी , डॉ विकास चौधरी, अभिषेक चौधरी, विक्रम सिंह शेखावत, स्वर्णिम चतुर्वेदी सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

विद्युत प्रसारण निगम को हुआ 122 करोड़ का लाभ

रॉयल पत्रिका राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 122 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। प्रसारण निगम की 326वीं बोर्ड मीटिंग में निगम के वित्तीय वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के लेखे बोर्ड द्वारा अनुमोदित किए गए, जिसके अनुसार प्रसारण निगम की कुल आय लगभग 1143 करोड़ रूपये एवं कुल खर्च लगभग 1021 करोड़ रूपये रहा, जिससे प्रसारण निगम ने लगभग 122 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। यह वित्तीय वर्ष 2024-25 की लगातार तीसरी तिमाही है, जब राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लाभ अर्जित कर रहा है। विद्युत प्रसारण निगम के अध्यक्ष आलोक के मार्गदर्शन में लगातार परियोजनाओं की समय पर निगरानी एवं क्रियान्वन के फलस्वरूप तथा कुशल वित्तीय प्रबंधन से वित्तीय वर्ष 2024-25 की तीनों तिमाही में कुल मिलाकर लगभग 356 करोड़ रूपये का लाभ अर्जित किया है ।

पीबीएम व संबद्ध अस्पतालों का औचक निरीक्षण : चिकित्सा मंत्री ने मरीजों से लिया फीडबैक

‘अतिरिक्त संवेदनशीलता से कार्य करें चिकित्सक’

रॉयल पत्रिका

जयपुर. चिकित्सा मंत्री और बीकानेर जिला प्रभारी मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बुधवार को जनप्रतिनिधियों और चिकित्सा विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बीकानेर के पीबीएम अस्पताल, आचार्य तुलसी कैंसर रिसर्च सेंटर, हल्दीराम मूलचंद कार्डियक वैस्कुलर सेंटर सहित विभिन्न संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से इलाज से जुड़ा फीडबैक लिया। अस्पतालों में साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता, जांचों की स्थिति, स्टाफ, संसाधनों सहित प्रत्येक बिंदु की समीक्षा की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि चिकित्सक अतिरिक्त संवेदनशीलता रखते हुए कार्य करें।

इसके पश्चात चिकित्सा मंत्री ने सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के सभागार में चिकित्सा अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने विभिन्न संस्थानों के कार्यों की समीक्षा की और कहा कि मैनपावर और संसाधनों की कमी जल्द दूर की जाएगी। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि एनएचएआई द्वारा राष्टीय राजमार्गो पर खोले गए फूड कोर्ट की तर्ज पर राज्य के सभी बड़े सरकारी अस्पतालों में फूड कोर्ट खोले जाएंगे, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को उच्च क्वालिटी की खाद्य सामग्री कम कीमत पर मिल सके। इसके लिए अधिकारियों को विभिन्न फूड चैन कंपनियों से समन्वय के निर्देश दिए हैं। उन्होंने फूड कोर्ट के लिए अस्पताल में स्थान उपलब्ध करवाने को कहा। चिकित्सा मंत्री खींवसर ने अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य और पीबीएम अधीक्षक को सभी यूनिट्स के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए। बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सिद्धि कुमारी ने कहा कि पीबीएम अस्पताल में संभाग सहित अन्य प्रदेशों के मरीज इलाज के लिए आते हैं। इसके मद्देनजर पूर्ण गंभीरता के साथ कार्य किया जाए। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि ईसीजी की व्यवस्था सभी चिकित्सा यूनिट्स और ट्रोमा सेंटर में सोनोग्राफी की व्यवस्था की जाए।

चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि पीबीएम और उससे संबद्ध अस्पतालों में चिकित्सकों द्वारा और बेहतर सेवाएं देने के प्रयास हो। उन्होंने मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना की प्रगति के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि योजना के तहत आमजन को सुगमता के साथ उपचार उपलब्ध करवाया जाए। इससे पहले चिकित्सा मंत्री ने सभी अस्पतालों के यूनिट हैड और विभागाध्यक्षों से व्यवस्था और आवश्यकताओं के संबंध में फीडबैक लिया। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी और पीबीएम अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुरेन्द्र वर्मा ने अस्पताल से जुड़ी व्यवस्थाओं के बारे में बताया। बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, निदेशक अराजपत्रित राकेश शर्मा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. देवेन्द्र चौधरी, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. लोकेश गुप्ता, आरसीएचओ डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. योगेन्द्र तनेजा समेत पीबीएम अस्पताल के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

आरएमएससीएल ने हिमाचल प्रदेश दवा निर्माता फर्मों का किया निरीक्षण

दवाओं की गुणवत्ता को लेकर दिखाई सख्ती निर्माण व आपूर्ति तक की प्रक्रिया की जांच

रॉयल पत्रिका

जयपुर. मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के प्रभावी संचालन एवं आमजन को गुणवत्तापूर्ण दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की चार सदस्यीय टीम ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश के बद्दी में विभिन्न दवा निर्माता कम्पनियों का औचक निरीक्षण किया।

आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि के निर्देशन में बद्दी गई अधिकारियों की टीम ने रेण्डम आधार पर उन दवा निर्माता फर्मों की जांच की, जो आरएमएससीएल में दवाओं की आपूर्ति करती हैं। टीम ने इन कम्पनियों में दवा निर्माण की पूरी प्रक्रिया को देखा। भण्डारण, गुणवत्ता नियंत्रण, विपणन, आपूर्ति सहित विभिन्न मानकों को जांचा गया। साथ ही, लाइसेंस, निर्माण मशीनरी, टेस्टिंग सुविधाओं सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों की गहनता से जांच की गई। जांच के दौरान इन इकाइयों की स्थिति मानकों के अनुरूप पाई गईं। सभी इकाइयां औषधि नियंत्रण विभाग के तहत लाइसेंस प्राप्त कर दवा निर्माण कर रही थीं। निरीक्षण के दौरान इकाइयों के पते का भी सत्यापन किया गया। कुछ इकाइयां इनमें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की हैं एवं बड़ी मात्रा में दवाओं का उत्पादन और निर्यात भी करती हैं।

आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि विगत दिनों कुछ समाचार पत्रों में बद्दी स्थित दवा कम्पिनयों में नकली दवाओं का निर्माण सहित अन्य अनियमितताओं से संबंधित समाचार प्रकाशित हुए थे। इन समाचारों एवं अन्य सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए आरएमएससीएल में दवा आपूर्ति करने वाली इकाइयों का निरीक्षण करने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने बताया कि पहली बार आरएमएससी की ओर से इस तरह का निरीक्षण करवाया गया है। इस निरीक्षण का उद्देश्य है कि मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत आपूर्ति की जाने वाली दवाओं की गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं हो। दवाओं का निर्माण एवं आपूर्ति टेण्डर की शर्तों के अनुरूप हो और आमजन को गुणवत्तापूर्ण दवाएं सुलभ हों।

सघन देखभाल से स्वस्थ पहुंचे घर

ब्यावर के अमृतकौर अस्पताल में एक साथ जन्मे 4 नवजात

रॉयल पत्रिका

ब्यावर जिले के राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय में 10 जनवरी, 2025 को एक प्रसूता ने चार नवजात को जन्म दिया। प्रसव समय से लगभग एक माह पूर्व जन्मे इन नवजात का वजन स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप कम था। जन्म के समय नवजात शिशुओं का वजन 1.5, 1.3, 1.2 तथा 1.7 किलोग्राम था। कम वजन के कारण इनका जीवन और भविष्य खतरे में थे। इसे देखते हुए डॉ. विद्या सक्सेना और उनकी टीम ने सफल प्रसव के बाद कम वजन के चारों नवजात को स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट इंचार्ज डॉ. एम.एस. चंदावत की विशेष देखरेख में उपचार के लिए अविलंब भर्ती किया गया। परियोजना निदेशक, बाल स्वास्थ्य डॉ. प्रदीप चौधरी ने बताया कि प्रारंभ में नवजात शिशुओं को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया और चिकित्सालय के लैकटेशनल मैनेंजमेंट सेंटर (सीएलएमसी) से निरंतर दुग्धपान करवाया गया। कुछ दिन बाद शिशुओं ने सामान्य रूप से सांस लेना प्रारंभ किया और उनके वजन में भी सुधार दर्ज किया जाने लगा। पहले और चौथे शिशु ने जन्म से 3 दिन बाद, दूसरे शिशु ने 5 दिन बाद और तीसरे शिशु ने 6 दिन बाद सामान्य स्तनपान शुरू कर दिया। चारों नवजात में निरंतर स्वास्थ्य सुधार होता रहा। एक महीने की सघन देखभाल व उपचार के बाद चारों बच्चों को 10 फरवरी, 2025 को चिकित्सालय से डिस्चार्ज कर दिया गया। डिस्चार्ज के समय पहले शिशु का वजन 1.56 किलोग्राम, दूसरे का 1.38 किलोग्राम, तीसरे का 1.3 किलोग्राम व चौथे शिशु का वजन 1.9 किलोग्राम। अब चारों बच्चे व मां स्वस्थ हैं।

हर दिन 6.5 लाख लीटर पानी बचाने में सहायक होगा संयंत्र

जयपुर डेयरी ने जल संरक्षण के लिए जीरो लिक्विड डिस्चार्ज संयंत्र किया स्थापित

रॉयल पत्रिका

जयपुर. जयपुर डेयरी ने पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राजस्थान का पहला जीरो लिक्विड डिस्चार्ज संयंत्र सफलतापूर्वक स्थापित किया है। इस संयंत्र को नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के तकनीकी परामर्श से 20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। यह संयंत्र जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन और पर्यावरण सुरक्षा के लिए एक मिसाल है।

जयपुर डेयरी प्रतिदिन 12 लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण करती है, जिसके लिए प्रतिदिन 15-19 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होती है। प्रसंस्करण के बाद निकलने वाले पानी को पहले से मौजूद ईटीपी (एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) के माध्यम से उपचारित किया जाता है। अब इस नए जेडएलडी संयंत्र की मदद से इस ट्रीटेड पानी को तीन चरणों में उपचारित कर डेयरी के बॉयलर और रेफ्रिजरेशन जैसे कार्यों में पुनः उपयोग में लिया जाएगा। यह अत्याधुनिक तकनीक हर दिन 6.5 लाख लीटर (प्रतिवर्ष 24 करोड़ लीटर) पानी बचाने में सहायक होगी।

जल संरक्षण और वित्तीय लाभ

यह संयंत्र न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि जयपुर डेयरी को वित्तीय रूप से भी लाभान्वित करेगा। इस संयंत्र के माध्यम से डेयरी को प्रति किलोलीटर 55-60 रुपये की बचत होगी, जिससे वार्षिक स्तर पर लगभग 1.3 करोड़ रुपये का वित्तीय लाभ होगा। जयपुर डेयरी के अध्यक्ष ओमप्रकाश पूनिया और जयपुर डेयरी के प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने बताया कि यह संयंत्र राजस्थान के सहकारिता क्षेत्र में प्रथम ही नहीं अपितु भारत के डेयरी क्षेत्र में एक अभिनव पहल है।

मिलिट्री स्टेशन में ‘सप्त शक्ति वेलनेस सेंटर’ का उद्घाटन

रॉयल पत्रिका

जयपुर. समग्र स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए ‘सप्त शक्ति वेलनेस सेंटर’ (एसएसडब्लूसी) का उद्घाटन जयपुर मिलिट्री स्टेशन में किया गया। सप्त शक्ति कमान द्वारा शुरू की गई इस अनूठी पहल का उद्देश्य सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को एक ही छत के नीचे विस्तृत स्वास्थ्य और कल्याण सुविधाएं प्रदान करना है।

‘सप्त शक्ति वेलनेस सेंटर’ शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण सुनिश्चित करने हेतु पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोणों का संयोजन करता है। निःशुल्क विशेष सेवाएं प्रदान करने वाले इस केंद्र में आयुर्वेद क्लिनिक, होम्योपैथी क्लिनिक, आहार विशेषज्ञ सेवाएं, फिजियोथेरेपी विभाग और वेलनेस (मनोवैज्ञानिक) परामर्शकर्ता शामिल हैं। फिजियोथेरेपी यूनिट में पीठ दर्द, ऑस्टियोआर्थराइटिस, फ्रोजन शोल्डर और खेलों से जुड़ी चोटों जैसी समस्याओं का इलाज करने के लिए आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। यह दर्द को कम करने, गतिशीलता बढ़ाने और व्यायाम में मदद करेगा। आहार विशेषज्ञ सेवाएं व्यक्तिगत आहार योजना, परामर्श, स्वास्थ्य देखभाल, खेल पोषण और चिकित्सीय आहार पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगी, जिससे सही स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्शकर्ता व्यक्तिगत परामर्श, समूह वार्तालाप और घर-घर परामर्श भी देंगे। इस केंद्र की एक प्रमुख विशेषता आयुर्वेद हर्बल लेन है, जहाँ विज़िटर्स औषधीय पौधों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वे आयुर्वेद विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में औषधीय पौधों को पहचानना और उनके उपचारात्मक लाभों के बारे में सीख सकते हैं।

मुख्यालय के निर्देश पर किशनगढ़ में हुई कार्रवाई

मार्बल, ग्रेनाइट और डायमंड टूल्स से जुड़ी 4 फर्मों के जीएसटी सर्वे

- ट्रेडिंग अकाउंट और स्टॉक से संबंधित अनेक दस्तावेज जब्त
- जब्त दस्तावेज के विश्लेषण के बाद होगा जीएसटी चोरी का खुलासा

जयपुर. वाणिज्यिक कर विभाग-एसजीएसटी की एनफोर्समेंट शाखा ने अजमेर जिले के किशनगढ़ में चार मार्बल, ग्रेनाइट और डायमंड टूल्स से जुड़ी फर्मों के यहां मंगलवार सुबह सर्वे कार्रवाई शुरू की। गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई के लिए वाणिज्यिक कर विभाग मुख्यालय से अजमेर जोनल कार्यालय को निर्देश दिए गए, इन निर्देशों के तत्काल बाद विभाग की किशनगढ़ एनफोर्समेंट शाखा ने कार्रवाई की, जो मंगलवार देर शाम को समाप्त भी हो गई।

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार सर्वे की यह कार्रवाई मकराना रोड पर संचालित चार फर्मों को लक्षित कर शुरू की गई, लेकिन जांच के समय पता लगा कि इन फर्मों का संचालन केवल दो ही स्थानों पर किया जा रहा था। सर्वे की कार्रवाई मार्बल एरिया में पुष्पा मार्बल एण्ड ग्रेनाइट और संगम डायमंड टूल्स के यहां हुई। इस कार्रवाई में एसजीएसटी एनफोर्समेंट शाखा के अधिकारियों ने ट्रेडिंग अकाउंट और स्टॉक से संबंधित अनेक दस्तावेज जब्त किए, जिनका विस्तृत विश्लेषण कर जीएसटी चोरी का पता लगाया जाएगा। बताया जाता है कि पुष्पा मार्बल एण्ड ग्रेनाइट और संगम डायमंड टूल्स के संचालक नवल चौधरी स्थानीय विधायक का भी करीबी है, जिसके आधार पर सर्वे कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा है।

आरपीएससी भंग के मुद्दे पर पायलट ने सरकार पर खड़े किए सवाल

सबूत सामने लाएं, श्वेतपत्र जारी करे सरकार

रॉयल पत्रिका

जयपुर. पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा है कि सरकार का एक केबिनेट मंत्री फोन टेपिंग के आरोप लगा रहा है और सरकार उनसे जवाब नहीं मांग रही है। बल्कि संगठन उनसे जवाब मांग रहा है। ऐसा किसी सरकार में नहीं होता है। उन्होंने कहा है कि सरकार को चाहिए कि फोन टेपिंग के लिए कहने वाले केबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के पास कोई सबूत है तो उसे सामने लाएं। सरकार को श्वेत पत्र जारी कर जनता को मामले की सच्चाई बताना चाहिए।

पायलट ने बुधवार को प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि फोन टेपिंग एक गंभीर मुद्दा है। चाहे यह अब हुई हो या पहले हुई हो, इसकी गहनता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर गलती सजा मांगती है। पायलट ने कहा कि फोन टेपिंग के आरोप विपक्ष ने नहीं लगाए हैं बल्कि सरकार के केबिनेट मंत्री ने लगाए हैं। ऐसे में सरकार को तुरंत ही कार्रवाई करनी चाहिए। जबकि यहां उल्टा हो रहा है। सरकार तो जवाब नहीं मांग रही है बल्कि पार्टी संगठन मीणा से सवाल-जवाब कर रहा है। मीणा की बात को अनुशासनहीनता कहते हुए 3 दिन का अल्टीमेटम देकर जवाब मांगा गया। उन्होंने कहा कि कि जनता को सच्चाई जानने का हक है और किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों को सजा मिल सके।

पायलट ने पेपर लीक के मुद्दे को लेकर कहा कि पेपर लीक में लिप्त लोग रंगे हाथ पकड़े जा रहे हैं। पुलिस कार्रवाई कर रही है फिर भी सरकार ने आरपीएससी को कोई बदलाव के संकेत नहीं दिए। उन्होंने कहा कि मैंने आरपीएससी को भंग करने की मांग की थी। यह मांग अब भी बरकरार है। उच्च नयायालय ने आरपीएससी को लेकर सख्त टिप्पणी की है। उसके बाद मैं समझता हूं कि कोई कारण नहीं रहा कि सरकार आरपीएससी के मामले में कोई कार्रवाई ना करें। सरकार को यह भी बताना चाहिए कि 12 महीने में ऐसा क्यों नहीं किया गया। मैं खुद भी कहता आया हूं और लोग भी कहते हैं कि आरपीएससी का गठन और चयन प्रक्रिया की जवाबदेही तय हो।

उन्होंने कहा कि ईआरपीसी और यमुना जन समझौते को लेकर सरकार ने जो घोषणाएं की है, उससे प्रदेश का हक मारा गया है। सरकार जनता को बताएं कि समझौते में जो शर्तें रखी गई है, वे धरातल पर कैसे पूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि समरावता प्रकरण को लेकर सरकार ने न्यायिक जांच कराने की घोषणा की थी। यह न्यायिक जांच आज भी शुरू नहीं हुई है। दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर पायलट ने कहा कि मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन बनाया गया था। यह गठबंधन आज भी मजबूत है। लेकिन हम राज्यों में अपने स्तर पर चुनाव लड़ रहे है। दिल्ली में कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार की है। आने वाले चुनाव में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी।

आकाश एजुकेशनल भोपाल के 35 छात्रों ने जेईई मेन्स 2025 (सेशन 1) में 95 पर्सेंटाइल और उससे अधिक हासिल किया

भोपाल। टेस्ट प्रिपरेटरी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन मेन्स 2025 (सेशन 1) में अपने छात्रों की शानदार उपलब्धि की घोषणा की है। भोपाल के 35 छात्रों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा के पहले सत्र में 95 पर्सेंटाइल और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में मोहम्मद हम्जा ने 99.88 पर्सेंटाइल, पीयूष भार्गव ने 98.99, आर्यन कुशवाहा ने 98.92, मानन गुप्ता ने 98.84 और सुमित परमार ने 98.83 पर्सेंटाइल हासिल किए हैं। ये परिणाम छात्रों की मेहनत और शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाते हैं, जो भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कल परिणाम घोषित किए, जिससे इस वर्ष की दो नियोजित जेईई परीक्षाओं की शुरुआत हुई इनमें से अधिकांश छात्र आकाश के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित थे, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक, आईआईटी जेईई, को क्रैक करना है। छात्रों को बधाई देते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के चीफ एकेडमिक और बिजनेस हेड, डॉ. एच. आर. राव ने कहा, हम जेईई मेन्स 2025 में अपने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उनकी कड़ी मेहनत और संकल्प, सही मार्गदर्शन के साथ मिलकर, इन शानदार परिणामों का कारण बने हैं। आकाश में, हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने में मदद करती है।

ट्रंप ने रिश्वत रोधी कानून पर लगाई रोक

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आधी सदी पुराने रिश्वत रोधी कानून पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। गौरतलब है कि इसी कानून के तहत बाइडन सरकार ने भारत के अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई की थी। विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए), जिस पर ट्रंप प्रशासन ने रोक लगाई है, वह अमेरिका से जुड़े फर्मों और लोगों को विदेश में अपने व्यापार को सुरक्षित करने के लिए विदेशी अधिकारियों को पैसे या उपहार या किसी भी तरह की रिश्वत देने से प्रतिबंधित करता है।
कानून की आलोचना करते हुए क्या बोले ट्रंप
गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी इस कानून पर रोक लगाने पर विचार किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने एफसीपीए कानून को लेकर कहा कि यह कानून कागजों पर तो अच्छा लगता है, लेकिन व्यवहारिक तौर पर यह बेहद खराब है। इस कानून के मुताबिक अगर कोई अमेरिकी किसी दूसरे देश में जाकर वहां कानूनी, वैध या किसी अन्य तरह से व्यापार करना चाहता है तो उसे इस कानून के मुताबिक निश्चित तौर पर जांच, अभियोग का सामना करना होगा और कोई नहीं चाहता कि उसके साथ ऐसा हो।
उल्लेखनीय है कि पिछले बाइडन प्रशासन में अमेरिका में अदाणी समूह के खिलाफ जो अभियोग किया गया था, वह भी इसी कानून के तहत किया गया था। अदाणी समूह पर आरोप लगा था कि उसके कुछ अधिकारियों ने भारत में सौर ऊर्जा संबंधी ठेके लेने के लिए भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत दी थी।

एआर दिवस पर धमाका: वैश्विक एआर पावरहाउस बना स्नैप इंडिया!

भारत बना एआर लेंस का वैश्विक हब, दो साल में 50 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। स्नैप इंक ने मुंबई में आयोजित दूसरे वार्षिकइंडिया एआर डेकार्यक्रम डिजिटल वास्तविकता(एक ऐसी तकनीक जो हमारी असली दुनिया में डिजिटल चीजें जोड़कर उसे और रोचक बना देती है, जैसे मोबाइल कैमरा से दिखने वाले दृश्य में डिजिटल इफेक्ट्स या जानकारी जोड़ना।) की बदलाव लाने वाली शक्ति को प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम में दिखाया गया कि कैसे कंपनीएआर तकनीकके जरिए भविष्य को आकार देने, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और खासतौर पर भारत के उभरते हुए डेवलपर समुदाय के लिए एक समृद्धइकोसिस्टमतैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

स्नैप इंक केसीटीओ बॉबी मर्फीने भारत मेंएआर इनोवेशनके जरिए रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, स्नैप एआर का मकसद रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाला एक मंच बनाना है। हम नई तकनीक और टूल्स विकसित कर रहे हैं, ताकि क्रिएटर्स लाखों लोगों के लिए शानदार अनुभव तैयार कर सकें। भारतीय डेवलपर्स इनोवेशन में सबसे आगे हैं और वे एआर को नए और आकर्षक तरीकों से इस्तेमाल कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, स्नैपचैट पर दुनिया में सबसे ज्यादा लेंस भारत से बनाए और प्रकाशित किए जाते हैं। यहां का डेवलपर समुदाय बीते दो सालों में 50% से ज्यादा बढ़ा है। भारत एक अनोखा देश है, जहां एआर सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी माध्यम बन गया है।

स्नैप इंक केएमडी, इंडिया, पुलकित त्रिवेदीने कहा, भारत में क्रिएटर्स और डेवलपर्स का एक मजबूत समुदाय है, जो एआर का भविष्य तय कर रहा है। यहां 200मिलियन से ज्यादा लोग स्नैपचैट का इस्तेमाल खुद को व्यक्त करने, जुड़ने और कंटेंट का आनंद लेने के लिए कर रहे हैं। एआर अब सिर्फ एक तकनीक नहीं, बल्कि संचार और रचनात्मकता का एक अहम हिस्सा बन चुका है।

उन्होंने यह भी जोड़ा, हम मानते हैं कि एआर की लंबी अवधि की सफलता एक मजबूत डेवलपर इकोसिस्टम पर निर्भर करती है, और हम इसे आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। यह देखकर खुशी होती है कि हर महीने स्नैपचैट यूजर्स 80 अरब से ज्यादा बार एआर लेंस के साथ इंटरैक्ट कर रहे हैं। यह इस बात का सबूत है कि एआर रचनात्मक अभिव्यक्ति को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है, और हम इस इनोवेशन को सपोर्ट और सेलिब्रेट करने के लिए उत्साहित हैं।

मिआ बाए तनिष्क ने मिलाए स्विगी इन्स्टामार्ट के साथ हाथ, खूबसूरत चांदी के आभूषण अब पाएं सिर्फ 10 मिनटों में

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे ट्रेंडी प्रेशियस फाइन ज्वेलरी ब्रांडों में से एक, मिआ बाए तनिष्क ने स्विगी इन्स्टामार्ट के साथ सहयोग करके, बहुत ही तेजी से बढ़ते हुए क्विक कॉमर्स क्षेत्र में कदम रखा है। इस हफ्ते से मिआ का बेहद खूबसूरत, अनोखा और बेजोड़ चांदी के आभूषणों का कलेक्शन स्विगी इन्स्टामार्ट पर 35 से ज्यादा शहरों में उपलब्ध होगा – गुरगांव, दिल्ली, कोलकाता, पुणे, बंगलोर, चेन्नई, मुंबई और हैदराबाद। उपभोक्ताओं को चांदी के आभूषण सिर्फ 10 मिनटों में उनके घर पर पहुंचाने के लिए यह सहयोग किया गया है। स्विगी इन्स्टामार्ट को उनके बेजोड़ कम्युनिकेशन और परिचालन में उत्कृष्टता के लिए पहचाना जाता है, क्विक कॉमर्स में मार्केट लीडर के रूप में उनके स्थान का लाभ यह साझेदारी उठाएगी और उपभोक्ताओं के इ-कॉमर्स अनुभव को उन्नत करेगी। यह साझेदारी मिआ बाए तनिष्क की ओम्नी-चैनल उपस्थिति का विस्तार करने की स्ट्रैटेजी के अनुरूप है। यह ब्रांड कई अलग-अलग सेल्स चैनल्स के जरिए नए उपभोक्ताओं तक पहुंचना चाहता है। क्विक कॉमर्स मार्केट में प्रेशियस ज्वेलरी की मांग लगातार बढ़ रही है उसे पूरा करने के लिए मिआ अपने बेहद खूबसूरत और अनोखे सिल्वर ज्वेलरी कलेक्शन प्रस्तुत कर रहा है। कोई खास मौका हो या सोच-समझकर दिया जानेवाला गिफ्ट, मिआ के चांदी के आभूषण उसमें शान और शगुन की चमक जोड़ेंगे और अब आप इन आकर्षक आभूषणों को बहुत ही तेजी से और बहुत ही आसानी से, अपने घर पर पा सकते हैं।

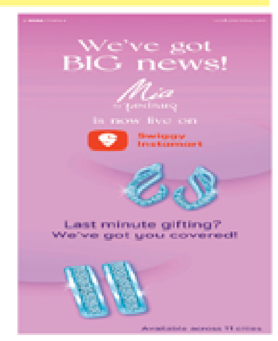

इंडियावुड 2025: लकड़ी और फर्नीचर निर्माण में नवाचार को प्रेरित करने के 25 साल

दिल्ली एजेंसी। उद्योग में उन्नति और विकास के एक चौथाई शतक को चिह्नित करते हुए, इंडियावुड 2025, वुडवर्किंग और फर्नीचर निर्माण के लिए प्रमुख व्यापार मेला, 6-9 मार्च 2025 को इंडिया एक्सपो मार्ट और सेंटर ग्रेटर नोएडा, दिल्ली एनसीआर में आयोजित किया जाएगा। न्यूर्नबर्गमेस्से के वैश्विक लकड़ी कार्य पोर्टफोलियो का हिस्सा, यह मील का पत्थर संस्करण भारत की निर्माण शक्ति के रूप में उभरने और फर्नीचर और लकड़ी कार्य उद्योग में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में इसकी स्थिति को दर्शाता है।

इंडियावुड की 25 साल की धरोहर- स्थानीय प्रदर्शन से वैश्विक प्रभाव तक- अपनी स्थापना से, इंडियावुड ने उद्योग के विकास को आकार दिया है, एक ही मंच पर निर्माता, आपूर्तिकर्ता, प्रौद्योगिकी नेता और पेशेवरों को एकत्र किया है। पिछले ढाई दशकों में, इसने प्रौद्योगिकी में प्रगति, सतत प्रथाओं, और वैश्विक सहयोगों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज, जब भारत वैश्विक फर्नीचर उत्पादकों में शीर्ष पांच देशों में स्थान रखता है और अपने फर्नीचर निर्यात को हर साल 20 प्रतिशत बढ़ाने के लिए तैयार है, इंडियावुड उद्योग की प्रगति के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में जारी है।
2025 में 25.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मूल्यांकन किया गया भारतीय फर्नीचर बाजार 2030 तक 37.18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लकड़ी फर्नीचर उत्पादन का 62 प्रतिशत हिस्सा बनाती है, और यह उद्योग नवाचार और स्थिरता द्वारा प्रेरित परिवर्तन से गुजर रहा है – इसका अधिकांश हिस्सा इंडियावुड में मिलने वाले अवसरों द्वारा प्रेरित है, सोनिया प्रशर, प्रबंध निदेशक, न्यूर्नबर्गमेस्से इंडिया ने कहा।
इस अवसर पर, यूरोपीय लकड़ी कार्य मशीनरी निर्माताओं की महासंघ के अध्यक्ष फ्रेडरिक मेयर ने कार्यक्रम और भारत के लकड़ी कार्य और फर्नीचर उद्योग की निरंतर वृद्धि के बारे में अपनी खुशी व्यक्त की। भारत तेजी से लकड़ी के काम और फर्नीचर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति स्थापित कर रहा है, जिसे मजबूत घरेलू मांग और कारीगरी की दीर्घकालिक परंपरा द्वारा बढ़ावा मिल रहा है, मेयर ने कहा।
इंडियावुड 2025 ज्ञान साझा करने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने और रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। यूरोपीय लकड़ी कार्य मशीनरी निर्माताओं का महासंघ इस पहल का समर्थन करने पर गर्व महसूस करता है, और यूरोपीय और भारतीय कंपनियों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कार्यक्रम की भूमिका को भी रेखांकित किया, जो अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता को स्थानीय नवाचार से जोड़ता है- हम सभी आगंतुकों को यूरोपीय लकड़ी कार्य प्रौद्योगिकियों की खोज करने के लिए आमंत्रित करते हैं, जो गुणवत्ता, दक्षता और स्थिरता के उच्च मानकों के लिए जानी जाती हैं।

एनफैब्रिका ने एआई नेटवर्किंग इन्नोवेशन को गति देने के लिए

भारत में आरएंडडी हब खोला

हैदराबाद, एजेंसी। एआई नेटवर्किंग में अग्रणी और जीपीयू/एक्सिलेटर क्लस्टर के प्रभावी एवं उच्च निष्पादन के लिए एक्सिलरेटेड कंप्यूट फैब्रिक (एसीएफ) चिप की आविष्कारक एनफैब्रिका कॉर्पोरेशन ने भारत के हैदराबाद में मुख्यालय वाला अपना आरएंडडी परिचालन शुरू करने की आज घोषणा की। भारत में इसके नए कार्यालय एवं आरएंडडी सुविधा की स्थापना, एनफैब्रिका को एआई इन्नोवेशन के लिए एक टेक्नोलॉजिकल हब के केंद्र में स्थित करती है जिससे कंपनी अपनी विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग टीम बढ़ा सकेगी और साथ ही सिलीकॉन एवं सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास परिचालन को विस्तार दे सकेगी। यह नया कार्यालय इस कंपनी की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाता है और साथ ही एआई इंफ्रास्ट्रक्चर का स्तर बढ़ाने के लिए इस उद्योग के सबसे उन्नत नेटवर्किंग उत्पादों की आपूर्ति के लिए शीर्ष स्तर की प्रतिभाओं को नौकरी पर रखने की इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

समयबद्ध तरीके से कंप्यूट एवं रिजनिंग मॉडलों के उपयोग के साथ जेनरेटिव एआई और इससे जुड़ी उन्नति को तेजी से अपनाए जाने के साथ एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की चुनौतियों की गणना, महत्तम स्तर के संतुलन स्तर और स्वामित्व के कुल खर्च के अनुसार करने की जरूरत है। एनफैब्रिका समानांतर, विजातीय और बढ़े हुए कंप्यूटिंग सिस्टम्स को कुशलता के साथ एक दूसरे से जोड़ने के लिए चिप्स और सॉफ्टवेयर का निर्माण कर एआई के लिए नेटवर्किंग को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। इस कंपनी का 3.2 टेराबाइट प्रति सेकेंड का एसीएफ सुपरएनआईसी विश्व का सबसे तेज, सबसे लचीला और सबसे विस्तार योग्य जीपीयू नेटवर्क इंटरफेस कंट्रोलर चिप है। 2के जीपीयू से 100 से अधिक जीपीयू तक के क्लस्टर्स के लिए यह लोकप्रिय एआई फ्रेमवर्क केलिए उच्च निष्पादन प्रदान करता है और साथ ही नेटवर्क डिजाइन को आसान बनाता है जिससे पूंजीगत एवं परिचालन खर्च नीचे लाया जा सके।

भारत वैश्विक एआई क्रांति में निरंतर एक अहम भूमिका निभा रहा है। विविध भौगोलिक एवं आर्थिक परिदृश्य में फैला इस देश का उन्नत डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचा, आधुनिक एआई एप्लीकेशंस को विस्तार देने के लिए महत्वपूर्ण कारक है। भारत में एआई का बाजार वर्ष 2025 तक आठ बिलियनडॉलर पर पहुंचने का अनुमान है और यह 2020 से साल दर साल 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। एनफैब्रिका का हैदराबाद में आरएंडडी सेंटर, एआई और एक्सिलरेटेड कंप्यूटिंग वर्कलोड के निष्पादन और विस्तार की मांग से निपटने के इच्छुक इंजीनियरों और डेवलपरों के समुदाय के बीच स्थित है। यह नया आरएंडडी सेंटर कर्मचारियों को जेन एआई के युग के लिए सॉल्यूशंस तैयार करने का अवसर उपलब्ध कराएगा।

जीवन साझा करने पर ही अच्छा बनता है

एलजी इंडिया ने भारतभर में रक्तदान अभियान का किया विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया अपनी मेगा रक्तदान अभियान के तीसरे संस्करण को लॉन्च करने के लिए तैयार है, जो जीवन अच्छा होता है जब जीवन साझा किया जाता है के मूल संदेश के साथ कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। इस पहल का उद्देश्य समुदायों, विशेष रूप से युवाओं को संगठित करना है और 70 शहरों में 400 रक्तदान शिविरों का आयोजन करना है। वर्ष 2019 और 2023 में, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने सफलतापूर्वक लगभग 188 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया, जिसके माध्यम से 17,700 से अधिक पंजीकरण हुए। इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए, 2025 के अभियान का लक्ष्य 30,000 पंजीकरण प्राप्त करना है। प्रत्येक शिविर में रक्तदाताओं को आवश्यक चिकित्सा जांच, जलपान और प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे, ताकि एक सहज और प्रेरक रक्तदान अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। केयर टूडे फंड, यूनाइटेड वे मुंबई और सक्षम भारती फाउंडेशन जैसे विश्वसनीय साझेदारों के साथ सहयोग करते हुए एलजी भारत में स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को मजबूत बनाने का प्रयास कर रहा है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के एमडी, श्री होंग जू जियोन ने कहा, हम सार्थक हस्तक्षेप के साथ छ्स्क्र कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मेगा रक्तदान अभियान का यह तीसरा संस्करण हमारे इस संकल्प का प्रतिबिंब है कि लोगों के लिए लाइफ्स गुड बनाया जाए। हमारा उद्देश्य समुदायों को सक्रिय रूप से भाग लेने और इस महत्वपूर्ण उद्देश्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना है, जो हमारे मूल संदेश जीवन साझा करने पर ही अच्छा बनता है के साथ जुड़ा हुआ है। स्थलीय रक्तदान शिविरों के अतिरिक्त, ख्र इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया पूरे देश में रेडियो और डिजिटल मीडिया के माध्यम से नागरिक जन जागरूकता अभियान चलाएगा।

2025 तक 20,000 शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए सैमसंग का अनूठा पहल - गैलेक्सी एम्पावर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने गैलेक्सी एम्पावर्ड नामक एक अनूठे सामुदायिक कार्यक्रम की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और प्रशासकों को सशक्त बनाकर भारत में शिक्षा को नई दिशा देना है।

दिग्गज निशानेबाज और 2008 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा की मौजूदगी में शुरू किए गए इस कार्यक्रम का मकसद शिक्षण में तकनीक को शामिल कर नवाचार को बढ़ावा देना और शिक्षा में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना है। यह पहल शिक्षकों को भविष्य की कक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए नियमित ऑन-ग्राउंड और ऑनलाइन शिक्षण सत्र प्रदान करेगी। तकनीक के क्षेत्र में एक अग्रणी ब्रांड होने के नाते, सैमसंग का लक्ष्य ऐसे भविष्य के लिए तैयार कक्षाओं का निर्माण करना है, जहां शिक्षक नवीनतम तकनीक और आधुनिक शिक्षण विधियों को अपनाकर बेहतर शिक्षा दे सकें।

गैलेक्सी एम्पावर्ड न केवल शिक्षकों के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह स्कूलों को भी शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार का अगुवा बनने में मदद करता है। बेहतर शिक्षण विधियों और तकनीक-संचालित सीखने के माहौल के जरिए स्कूल खुद को अभिभावकों की पहली पसंद बना सकते हैं, जिससे उनकी प्रतिष्ठा मजबूत होगी और उन्हें समुदाय में अधिक पहचान मिलेगी। खास बात यह है कि गैलेक्सी एम्पावर्ड कार्यक्रम पूरी तरह निःशुल्क है, जिससे शिक्षकों और स्कूलों को बिना किसी आर्थिक बाधा के शिक्षा को उन्नत बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, राजू पुलन ने कहा, गैलेक्सी एम्पावर्ड के माध्यम से, हम शिक्षकों को ऐसे टूल्स प्रदान कर रहे हैं जो छात्र जुड़ाव को बेहतर बनाएंगे।

शार्क टैंक इंडिया 4 में फंडूलैब्स की स्लाइम-टास्टिक पिच - क्या नैतिक को मिलेंगे 60 लाख रुपये?

मुंबई, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया 4 के मंच पर इस बार फंडूलैब्स के फाउंडर नैतिक चोटाई ने अपनी अनोखी पेशकश से सबका ध्यान खींचा। उनके प्रोडक्ट, सेफ स्लाइम, ने न सिर्फ बच्चों बल्कि उनके माता-पिता को भी प्रभावित किया।

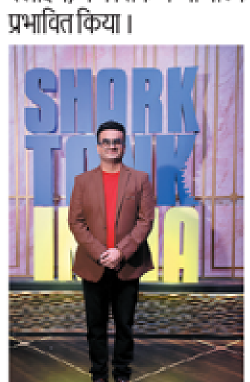

फंडूलैब्स क्रिएटिव लर्निंग प्रा. लि. खासतौर पर केमिस्ट्री पर आधारितडीआईवाई साइंटिफिक किट्सऔरसेंसरी टॉयजबनाने में माहिर है। ये सुरक्षित और नॉन-टॉक्सिक स्लाइम, स्क्विशी और स्नो-मेकिंग किट्स 3 से 14 साल तक के बच्चों के लिए तैयार किए जाते हैं। लेकिन शो के दौरान सबको तब और ज्यादा आश्चर्य हुआ जब नैतिक की 14 वर्षीय बेटी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ एक लाइव डेमो पेश किया। उनकी इस शानदार प्रस्तुति नेनमिता थापर को खासा प्रभावित किया, वहींअनुपम मित्तल ने नैतिक को बिना दाढ़ी वाला असली सांता क्लॉज कहकर उनकी तारीफ की। नैतिक ने अपने सफर के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंनेफंडूलैब्स की शुरुआत विज्ञान और टेक्नोलॉजी को मजेदार बनाने की सोच के साथ की थी।

मॉडर्न लाइफस्टाइल के लिए परफेक्ट कूलिंग - सैमसंग बेस्पोक एआई विंडफ्री एसी रेंज

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांडसैमसंगने अपनी2025 बेस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर रेंजलॉन्च की है,जो भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। अत्याधुनिक एआई तकनीक,ऊर्जा कुशल प्रदर्शन और आधुनिक जीवनशैली में सहज समावेश के साथ,यह नई रेंज न केवल भारतीय गर्मियों के लिए कूलिंग के अनुभव को नए स्तर पर ले जाती है बल्कि घरों में आरामदायक माहौल भी बनाए रखती है। एआई फास्ट एंड कम्फर्ट कूलिंगतकनीक से लैस ये एयर कंडीशनर कमरे का तापमान तेजी से कम करते हैं और फिर धीरे-धीरेविंडफ्री कूलिंगमें बदल जाते हैं। यह अनूठी तकनीक बिना किसी तेज हवा के कोमल और प्रभावी कूलिंग सुनिश्चित करती है, जो इनडोर और आउटडोर परिस्थितियों के अनुसार खुद को अनुकूलित कर लेती है। यह सिस्टम उपयोगकर्ता की पसंद और आदतों को लगातार सीखकरव्यक्तिगत कूलिंग समाधानप्रदान करता है, जिससे यह भारत के अनिश्चित जलवायु में रहने वाले परिवारों के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाता है।

विंडफ्री कूलिंग तकनीक, अपनेमाइक्रो एयर होल डिज़ाइनके जरिए हवा को समान रूप से फैलाकर स्टिल एयर वातावरण बनाती है, जिससे ठंडक का अहसास होता है लेकिन बिना किसी अप्रिय हवा के झोंकों के। इसके साथ एआई एनर्जी मोडभी दिया गया है, जोरियल-टाइम परिस्थितियों और उपयोग के पैटर्नका विश्लेषण कर ऊर्जा की खपत को कम करता है। यह तकनीक30% तक बिजली की बचतकरने में सक्षम है, जिससे भीषण गर्मी के दौरान भी घर ठंडे और आरामदायक बने रहते हैं।

स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटीकी मदद से यूजर्स अपने एयर कंडीशनर कोस्मार्टफोनयाबिक्सबी, एलेक्सा और गूगल होमजैसे वॉयस असिस्टेंट से आसानी से नियंत्रित और मॉनिटर कर सकते हैं।

डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

छोटी-छोटी बातों पर जब महसूस हो तनाव

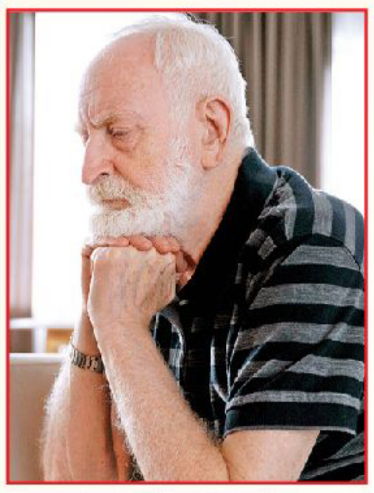

मेरी उम्र 69 वर्ष है। मैं अकसर छोटी-छोटी बातों को लेकर तनावग्रस्त हो जाता हूं। इस वजह से मुझे ठीक से नींद नहीं आती और कभी-कभी ब्लड-प्रेशर भी बढ़ जाता है। कृपया बताएं कि मैं अपनी इस समस्या से कैसे निजात पाऊं?

-सर्वेश्वर, रायपुर

आप जो छोटी-छोटी बातों को लेकर तनावग्रस्त होते हैं, तनाव लेने के बजाय आपको उनका समाधान ढूंढना चाहिए। तनाव लेने से कुछ नहीं होगा, लेकिन समाधान से ही सब होना है। इसके साथ ही आप कोशिश करें कि कुछ क्रिएटिव काम करते रहें, क्योंकि अगर आप खाली रहेंगे तो आपका मन इधर-उधर डाइवर्ट होगा और परेशानी बढ़ सकती है। इससे भी आराम नहीं हो रहा है तो जरूर आपको एक बार मनोरोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मैं जब भी शेव करता हूं, मेरे चेहरे पर रैशेज हो जाते हैं। कई बार तो बड़े-बड़े लाल दाने भी निकल आते हैं। प्लीज इसका सॉल्यूशन बताएं।

-मुदित, रोहतक

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि चेहरे में हल्के दाने होंगे, जिसकी वजह से शेव करने से रैसेज पड़ जाते हैं। पहले आप किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर इसकी जांच कराएं, जिससे कारण पता चलेगा, क्योंकि अगर दाने होंगे और आप शेविंग करेंगे तो यह समस्या बनी रहेगी। हालांकि कई बार शेविंग क्रीम से इंफेक्शन की भी संभावना होती है। यह डॉक्टर जांच करने के बाद बता पाएंगे।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ दिनों से मेरे पेट में दर्द रहता है। भूख नहीं लगती है और कभी-कभी बुखार भी आता है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-कुणाल, दुर्ग

आपको बगैर देर किए जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि आपके लक्षण देखकर ऐसा लग रहा है कि आपको टाइफाइड हो सकता है, जिसमें बुखार भी रहता है। लेकिन बगैर जांच किए कुछ भी कहना मुश्किल है। इसलिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और जांच के बाद ट्रीटमेंट कराएं।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। करीब एक साल से मुझे बैक-पेन की प्रॉब्लम है। लेटे रहने पर तो ठीक रहता है, लेकिन बैठने या खड़े होने पर दर्द बढ़ जाता है। कृपया इस समस्या का कोई समाधान बताएं।

-शंभुनाथ, महासमुंद

उम्र बढ़ाने के साथ कई तरह की समस्याएं हो जाती हैं। लेकिन आप बता रहे हैं कि लेटने से आराम मिलता है, यानी मूवमेंट करने में दिक्कत आ रही है। हालांकि कई बार कैल्शियम और विटामिन डी की कमी भी बैक पेन का कारण बनता है। एक बार आप हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर एक्स-रे करा लें, जिससे पता चल जाएगा कि हड्डियों में तो कोई दिक्कत नहीं हो रही है। साथ ही आप नियमित रूप से बैक की एक्सरसाइज करें, इसी से स्थाई रूप में राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मुझे लगातार खांसी आ रही है। घर से बाहर यह प्रॉब्लम और भी बढ़ जाती है। प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-रक्षित, बिलासपुर

अगर आपको लंबे समय से खांसी आ रही है तो जरूर एक बार जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लेना चाहिए। लेकिन जैसा आप बता रहे हैं कि घर के बाहर समस्या और बढ़ जाती है, इससे ऐसा लग रहा है कि आपको पॉल्यूशन की वजह से ऐसी प्रॉब्लम आ रही है। इसलिए आप कोशिश करें कि घर से बाहर निकलें तो मास्क पहनकर निकलें। साथ ही एक बार डॉक्टर से संपर्क कर जांच करा लें, जिससे किसी तरह की शंका न रहे।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। मुझे बीते 3 सालों से पाइल्स की समस्या है। कृपया इसका उचित उपचार बताएं।

-एक पाठक, ईमेल से

पाइल्स की समस्या का सीधा संबंध कब्ज से होता है। अगर आपको कब्ज रहती है तो यह बीमारी होने की संभावना पूरी रहती है। इससे बचाव के लिए आप नियमित रूप में पपीता खाएं। अदरक और मिर्च वाले खाने से परहेज करें। साथ ही ऑयली खाना कम से कम खाएं। रात में हल्का खाना खाएं और सोने से पहले गुनगुना दूध लें। इन प्रयासों से आपको आराम मिलेगा। *

प्रस्तुति : रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

हेल्थ-फिटनेस

विवेक कुमार

आज के दौर में हम में से अधिकांश लोगों की लाइफस्टाइल में स्टेबिलिटी बढ़ रही है, फिजिकल एक्टिविटी कम होती जा रही है। जॉब की वजह से भी बहुत लोग लॉन्ग सिटिंग करते हैं। इस वजह से कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क बढ़ता जा रहा है। कई स्टडीज में इसके नुकसान और इससे बचाव के तरीके बताए गए हैं। आपको इनके बारे में जरूर मालूम होना चाहिए।

कई बीमारियों का रिस्क बढ़ाती है लॉन्ग सिटिंग

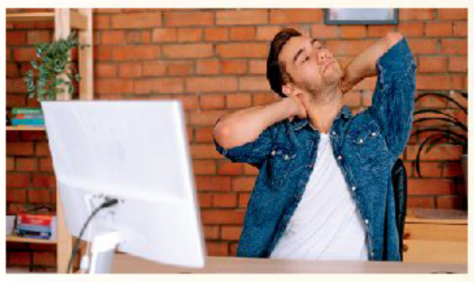

हाल ही में ब्रिटेन की ग्लासगो कैलेडोनियन यूनिवर्सिटी में एक अध्ययन किया गया, जिसमें पाया गया कि एक जगह पर ज्यादा देर तक बैठने वाले लोगों में डायबिटीज, मोटापा और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए प्रतिदिन एक्सरसाइज करने की जरूरत होती है। एक्सरसाइज से न केवल गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं बल्कि लगातार बैठने के कारण अचानक होने वाली मौतों का खतरा भी 30 फीसदी तक घट सकता है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार 4 से 6 घंटे बैठने वालों को 12 से 18 मिनट, 6 से 8 घंटे तक बैठने वालों को 18 से 24 मिनट और 8 से 10 घंटे तक बैठने वालों को एक्सरसाइज के लिए कम से कम रोजाना 24 से 30 मिनट देने चाहिए।

जीवनशैली है जिम्मेदार

लॉन्ग सिटिंग की वजह यह है कि पहले लोगों की जीवनशैली में गतिशीलता अधिक थी। किसी भी काम को करने के लिए उन्हें कहीं न कहीं जाना पड़ता था। आज काम करने के लिए डेस्क है। खाना खाने के दौरान टीवी सेट सामने है। मूवमेंट बहुत कम होती है। पूरा दिन लोग सिर्फ ऑनलाइन रहते हैं। खाना भी हम अपने मोबाइल फोन, टीवी या लैपटॉप के सामने बैठकर ही खाते हैं, जिससे लगातार हम बैठे ही रहते हैं और हमारा वजन बढ़ता है। केवल प्रतिदिन 15 या 20 मिनट की आरामदायक सैर से हम इससे होने वाले तमाम खतरों को कम कर सकते हैं।

लॉन्ग सिटिंग की वजहें

कई लोगों के लिए ऑफिस वर्क का मतलब ही होता है, कई घंटों तक लगातार एक ही जगह पर बैठे रहना। वे पूरे दिन में बहुत की कम टहलने के लिए निकलते हैं बल्कि कहा जाए तो लगातार घंटों सिर्फ काम ही करते हैं। वे बैठकर लगातार काम करते हैं, बीच में खड़े भी नहीं होते। इस तरह की कार्यशैली को हम अपने काम का एक नियमित हिस्सा मान लेते हैं और इसे आसानी से नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन विभिन्न देशों में शोधकर्ताओं के बीच यह लगातार एक चिंता का विषय बन रहा है। येल मेडिसिन फिजियाट्रिस्ट एरिक के. होल्डर के अनुसार, 'मेरे मस्कुलोस्केलेटल क्लीनिक में लंबे समय तक बैठे रहना और उससे होने वाली कई परेशानियों के कई मरीज आते हैं। इस एक वजह के कारण उन्हें कई अन्य और प्रकार के डॉक्टरों के पास जाना पड़ता है।' वह आगे कहते हैं, 'लोग डेस्क पर बैठे रहते हैं, लंबे समय तक कंप्यूटर या टीवी के सामने बैठे रहते हैं, लगातार कार, ट्रेनों और विमानों में यात्रा करते रहते हैं। यह एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है, जो कई पुरानी बीमारियों को जन्म दे सकती है।'

हो सकती हैं कई समस्याएं

येल मेडिसिन विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार बैठने से हमारे पैरों के निचले हिस्से और पंजे थक जाते हैं, उनमें सूजन और दर्द रहने लगती है। वहां रक्त और तरल पदार्थ जमा होने का हमें खुद एहसास होने लगता है। पैर की गहरी नसों में खून का थक्का जम जाता है और खून फेफड़ों तक न जा पाने के कारण हमारे बीमार होने की आशंका बढ़ती है। लगातार स्थिर रहने से इस तरह की समस्या भी उत्पन्न होती है। इसके लिए अपने जोखिम को कम करने हेतु हर 30 मिनट या 1 घंटे के बाद खड़े होकर टहलें। कुछ न कुछ फिजिकल एक्टिविटी करें।

स्पाइनल कॉर्ड पर पड़ता है दुष्प्रभाव

डॉक्टर होल्डर के अनुसार लंबे समय तक बैठे रहने से रीढ़ की हड्डी के साथ-साथ कंधों और कूल्हों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कंप्यूटर पर बैठने के दौरान आगे की ओर झुक कर हम अपनी कमर को सीधा नहीं रखते, जिससे मांसपेशियों में थकान होती है। पीठ के निचले हिस्से पर दबाव बढ़ने से रीढ़ की हड्डी का लचीलापन कम हो जाता है। उनके अनुसार 18 से 64 वर्ष की आयु के लोगों को कम से कम 150 मिनट एरोबिक एक्सरसाइज करनी चाहिए। बैठने के बुरे प्रभावों से बचने के लिए पूरे दिन में बार-बार हिलना-डुलना चाहिए।

सिटिंग के दौरान लेते रहें ब्रेक

डॉ. होल्डर का कहना है कि अपना वर्कस्टेशन ऐसा बनाएं, जिसमें स्टैंडिंग डेस्क हो। अगर ऐसा नहीं है तो अपने लैपटॉप या डेस्क टॉप को ऊंचे काउंटर पर रखें या हर आधे घंटे के बाद थोड़ा उठें और चलें-फिरें। ज्यादा कुछ न कर सकें तो अपनी पानी की बोतल छोटी रखें, ताकि दिन में कई बार पानी भरने के लिए आपको वॉटर कूलर तक जाना पड़े। घर पर भी लगातार टीवी देखने के दौरान विज्ञापनों के दौरान खड़े होने और चलने और स्ट्रेचिंग के लिए ब्रेक लेना चाहिए।

हार्ट डिजीज का बढ़ता है रिस्क

लगातार बैठना, शारीरिक गतिविधि की कमी से हृदय रोग की आशंकाओं को बढ़ाता है। डॉ. लैंपर्ड का कहना है कि इसके लिए हर घंटे थोड़ी देर टहलना ही एकमात्र समाधान है। लगातार बैठने से वजन बढ़ना, मोटापा, मधुमेह की आशंकाएं भी बढ़ती हैं। इसके अलावा काम पर लगातार बैठे रहना और गतिहीन जीवनशैली, कैंसर का भी कारण बनती है। इसलिए जितना संभव हो सके अपना काम खड़े होकर करें। बीच-बीच में चलते रहें। खड़े रहने से बैठने की तुलना में दोगुनी कैलोरी बर्न होती है।

कहने का कुल सार यही है कि किसी भी वजह से लगातर बैठे रहना हमारे हेल्थ और फिटनेस के लिए बहुत हार्मफुल है। इससे बचाव के लिए हमे यहां बताई गई बातों को अमल में लाना जरूरी है। *

इनका भी रखें ध्यान

हम सभी के पास करने के लिए काम है और कई लोगों के पास इतना समय नहीं है कि वर्कआउट कर सकें। इसलिए जितना संभव हो उतना ही काम करें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, नियमित व्यायाम करें, धूम्रपान से बचें। शराब और मांस का सेवन कम करें और पर्याप्त मात्रा में फल और सब्जियां खाकर एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हम कई रोगों से बच सकते हैं।

घरेलू औषधि / वीना गौतम

स्वाद बढ़ाए रोगों से बचाए तेजपत्ता

उत्तर हो या दक्षिण, पूरब हो या पश्चिम, शहर हो या गांव, घर हो या होटल, हर रसोई में मौजूद होता है तेजपत्ता। भारत में तेजपत्ते का इस्तेमाल स्वाद बढ़ाने वाले मसाले के रूप में ही नहीं बल्कि घरेलू औषधि और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी के रूप में भी सदियों से होता रहा है। यही वजह है कि इसकी देश में बहुत ज्यादा डिमांड है और देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मसाले के रूप में जो तेजपत्ता इस्तेमाल किया जाता है, उसमें करीब 70 फीसदी तेजपत्ता भारत से ही जाता है।

तेजपत्ता लॉरेसी परिवार का पेड़ है। अपने देश में इसके कई नाम प्रचलित हैं मसलन-सिन्नामोमम तमाला, मालाबार पत्ता, भारतीय छाल, भारतीय कैसिया या मालाबाथ्रम के नाम से इसे भी जानते हैं। तेजपत्ता का पेड़ भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, चीन, फ्रांस और इटली के साथ-साथ रूस, मध्य अमेरिका, उत्तरी अमेरिका औश्र बेल्जियम में भी पाया जाता है। तेजपत्ता के पेड़ की खेती भारत के कई राज्यों में की जाती है, जैसे- उत्तर प्रदेश, बिहार, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भी।

कई रोगों में कारगर: तेजपत्ता के पेड़ के पत्तों में, लौंग जैसी सुगंध होती है, इसलिए इसका इस्तेमाल जहां मसालों के तौर पर खाना पकाने में किया जाता है, वहीं इसके तेल का इस्तेमाल सिरदर्द, जोड़ों के दर्द, अर्थराइटिस, सूजन आदि में रामबाण सरीखी राहत पाने के लिए किया जाता है। साथ ही तेजपत्ता के पेड़ के पत्तियों का इस्तेमाल हर्बल चाय बनाने में भी किया जाता है।

इसमें एंटीइंफ्लेमेट्री गुण होते हैं। इसलिए इसके सेवन से शारीरिक सूजन में आराम मिलता है। यह पाचक एंजाइम्स को स्टिमुलेट करता है। इस तरह पाचन में सहायक होता है और अपच, गैस जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं इसलिए इसका सेवन हमें कैंसर और हार्ट डिजीज के रिस्क से बचाने में भी सहायक होता है। तेजपत्ते में कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल्स पाए जाते हैं, जो सांस संबंधी समस्याओं में राहत देते हैं, सीने की जकड़न को कम करते हैं। *

डाइट सजेशन

शिखर चंद जैन

अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ भरपेट खाना या तरह-तरह के व्यंजन खाना ही पर्याप्त नहीं होता है। इसके लिए आपको भोजन संबंधी कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है। क्या हैं वो भोजन संबंधी कायदे, आपको जरूर जानने चाहिए।

क्या आप जानते हैं भोजन करने के ये नियम

हम जो भोजन करते हैं, वो हमारे स्वास्थ्य, मन और स्वभाव को भी प्रभावित करता है। जो मन में आया, जब मन में आया खा लिया यह आदत स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जरूरी है, भोजन से संबंधित कुछ नियम-कायदों का पालन करें।

खाना कब खाएं: सुबह 10 से 11 बजे के बीच भोजन कर लेना चाहिए ताकि दिनभर कार्य करने के लिए ऊर्जा मिल सके। दिन का भोजन शारीरिक मेहनत के अनुसार अच्छी मात्रा में लेकिन रात्रि-भोजन हल्का और सुपाच्य होना चाहिए। रात्रि भोजन, सोने से दो या तीन घंटे पहले करना चाहिए। अच्छी तरह भूख लगने पर ही भोजन करना चाहिए। नाश्ता हो या लंच या डिनर, नियत समय पर करने से ही पाचन अच्छा होता है।

खाना कैसे खाएं: हाथ-पैर, मुंह धोकर व्यवस्थित रूप से बैठकर भोजन करें। खड़े-खड़े, जूते पहन कर, भोजन नहीं करना चाहिए। भोजन अच्छी तरह चबा-चबा कर करना चाहिए वरना दांतों का काम (पीसने का) आंतों को करना पड़ेगा, जिससे भोजन का पाचन सही नहीं हो पाएगा। भोजन करते समय शांत रहना चाहिए। इससे भोजन में लार मिलने से भोजन का पाचन अच्छा होता है। टीवी देखते या अखबार पढ़ते हुए खाना नहीं खाना चाहिए। भोजन हमेशा शांत-प्रसन्नचित्त होकर करना चाहिए।

क्या-कब और कैसे खाएं: अगर हम अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो भोजन से संबंधित इन महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखें।

- भोजन को कभी भी भूख से अधिक नहीं खाना चाहिए। इसलिए धीरे-धीरे चबाकर खाना चाहिए और तीन-चौथाई पेट ही भोजन करना चाहिए।
- भूख लगने पर पानी और प्यास लगने पर भोजन नहीं करना चाहिए, अन्यथा स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है।
- भोजन के बीच में प्यास लगने पर थोड़ा-थोड़ा करके पानी पीना चाहिए। भोजन के तुरंत पहले या अंत में तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए।
- बासी, ठंडा, कच्चा या जला हुआ और दोबारा गर्म किया हुआ भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं होता है। इसलिए इनसे बचना चाहिए।
- भोजन पच जाने पर ही दूसरी बार भोजन करना चाहिए। प्रातः भोजन के बाद शाम को अगर अजीर्ण मालूम हो तो कुछ नर्म भोजन लिया जा सकता है। लेकिन रात्रि को भोजन के बाद प्रातः अजीर्ण हो तो बिल्कुल भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन के तुरंत बाद सोना नहीं चाहिए।
- खाद्य सामग्री में कड़े पदार्थ पहले, नरम पदार्थ बीच में और पतले पदार्थ भोजन करने के अंत में खाना चाहिए।
- भोजन करते समय प्रारंभ में मीठे, बीच में नमकीन और अंत में कसैले पदार्थों को खाना चाहिए।
- भोजन करने से पहले केला और ककड़ी नहीं खाना चाहिए।
- भोजन में दूध, दही, छाछ का प्रयोग दीर्घजीवी बनाता है।
- भोजन करने के बाद न क्रोध करें, न तुरंत व्यायाम करें। इससे स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है।
- डिनर के बाद दूध पीना हितकर है।

भोजन के बाद क्या करें: लंच के बाद टहलना और डिनर के बाद में सौ कदम टहलकर बाईं करवट लेटने या वज्रासन में बैठने से भोजन का पाचन अच्छा होता है। भोजन के एक घंटे पश्चात मीठा दूध और फ्रूट लेने से भोजन का पाचन अच्छा होता है।

भोजन के बाद क्या न करें: भोजन के तुरंत बाद पानी या चाय नहीं पीना चाहिए। भोजन के पश्चात घुड़सवारी, दौड़ना, बैठना, लेटना, सोना नहीं चाहिए।

क्या-क्या न खाएं: रात्रि को दही, सत्तू, तिल और गरिष्ठ भोजन नहीं लेना चाहिए। दूध के साथ नमक, दही, खट्टे पदार्थ, मछली, कटहल का सेवन नहीं करना चाहिए। शहद और घी का समान मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए। दूध-खीर के साथ खिचड़ी नहीं खाना चाहिए। *

(डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

योगोपचार

दिव्यज्योति 'नंदन'

शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाने में अर्धचंद्रासन बहुत कारगर है। इससे कई तरह की शारीरिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। लेकिन इसे करते समय बहुत सावधानी रखनी चाहिए। इस आसन को करने की विधि, इससे होने वाले लाभ और सावधानियों के बारे में जानिए।

शारीरिक-मानसिक संतुलन बनाने में सहायक अर्धचंद्रासन

अर्धचंद्रासन या 'हाफ मून पोज' हठ योग का बहुत ही महत्वपूर्ण आसन है। इस योगासन में शरीर अर्धचंद्र के आकार में आ जाता है। यह वह अवस्था है, जो सप्तमी या अष्टमी के चांद की होती है। इस आसन को करने के दौरान पूरे शरीर को सिर्फ पैर और हाथों के बीच में बैलेंस किया जाता है। यह आसन शरीर को गजब की संतुलन शक्ति देता है। अर्धचंद्रासन को कई योग शैलियों में अलग-अलग ढंग से किया जाता है। लेकिन इसका सबसे मूल प्रकार हठ योग में ही दिखता है। यह शरीर में लचीलापन लाता है।

अर्धचंद्रासन के फायदे: यह शारीरिक और मानसिक संतुलन को सुधारता है, शरीर में लचीलापन बढ़ाता है। शरीर के मुख्य हिस्सों जैसे पीठ, पैर और कूल्हों को लचीला बनाने के साथ ही उन्हें मजबूत भी बनाता है। इसी तरह पैर, टखनों और कंधों को भी मजबूती देता है। इस आसन का प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है और यह पूरे शरीर को एक साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है। नियमित रूप से यह आसन करने से रीढ़ की हड्डी और पीठ दर्द से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाता है। यह पाचनतंत्र को सुधारता है, वजन घटाता है, सांस लेने की क्षमता को बेहतर बनाता है, टखनों, हैमस्ट्रिंग और पिंडलियों को ताकत देता है। हिप्स, चेस्ट और शोल्डर्स को खोलता है। छाती और शरीर को गठीला बनाता है। बॉडी को टोंड करता है। सिक्स पैक एब्स बनाने में मददगार है। पेल्विक मसल्स को मजबूत करता है, साथ ही यह पाचनग्रंथियों को भी स्टिमुलेट करता है।

करने की सही विधि: पहले अपने योगा मैट पर त्रिकोणासन में खड़े हो जाएं। दायां पैर आगे रखें। अब दाहिने घुटने को मोड़ें और अपने बाएं हाथ को कूल्हे पर लाएं। दाहिने हाथ को दाहिने पैर के सामने फर्श पर ले जाएं। इस दौरान हाथ आपके कंधे के नीचे होना चाहिए। यह प्रक्रिया करते हुए एक फुट सामने की ओर देखें। अब पांच या छह इंच अपने दाहिने पैर के दाईं ओर हों और हाथों को इतना झुकाएं कि बस अंगुलियां फर्श पर रहें और दाएं पैर को उठाते हुए दाहिने पैर को सीधा करना शुरु करें। जबकि बाएं पैर को जितना संभव हो सीधा रखें। कूल्हे को खोलें, दाएं कूल्हे के शीर्ष पर बाएं कूल्हे को लेकर आएं। पैर की अंगुलियों के साथ बाएं पैर को फ्लैक्स करें। जब दायां पैर संतुलित हो जाए तो बाएं पैर को ऊपर ले जाएं। दाएं और बाएं पैर को सीधा करते हुए फर्श पर सीधी रेखा बनाएं और कम से कम पांच सांसों तक खुद को संतुलित बनाए रखें, फिर सामान्य हो जाएं।

इन बातों का रखें ध्यान: अर्धचंद्रासन करते समय ध्यान रखें कि सही मुद्रा बनाए रखना जरूरी है। अगर गलत तरीके से इस आसन को करते हैं तो आसन भले हो जाए, संतुलन सधना नहीं शुरू होगा। इसे हमेशा खाली पेट करें या तब करें जब कम से कम चार-पांच घंटे पहले खाना खाया हो। शुरुआत में दीवार या किसी सहारे की सहायता से करें। लेकिन तब यह आसन कतई न करें, जब आपकी रीढ़ की हड्डी में दर्द हो, डायरिया या अस्थमा की समस्या हो। विशेषकर गर्दन में दर्द हो, कंधे में दर्द की समस्या होने पर हाथ ऊपर न उठाएं। घुटनों में दर्द या अर्थराइटिस होने पर दीवार के सहारे ही अभ्यास करें। दिल और हाई ब्लडप्रेशर के मरीज इसे न करें। *

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

'भाग्य लक्ष्मी' में 'मलिष्का' की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं मेघा प्रसाद

जी टीवी पर प्रसारित शो 'भाग्य लक्ष्मी' में खलनायिका 'मलिष्का' की भूमिका निभाने वाली मायरा मिश्रा शो को अलविदा कह चुकी हैं। शो में अब अपने अभिनय से मेघा प्रसाद कहानी में नए-नए मोड़, रोमांच लाने के लिए तैयार हैं। शो में मलिष्का की भूमिका को लेकर अभिनेत्री काफी खुश और उत्साहित हैं। मेघा ने कहा, यह मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। मैं कोलकाता में पली-बढ़ी हूं और मैंने बालाजी के शो देखे हैं। मैं हमेशा सोचती थी कि कभी ना कभी इसका हिस्सा बनूंगी। अब, उस सपने को सच होता देखना काफी खूबसूरत लग रहा है। एक लोकप्रिय शो में कदम रखना आपको बड़ी जिम्मेदारी देता है, लेकिन मैं इस चुनौती को स्वीकार करने और शो में काम करने के लिए रोमांचित हूं। उन्होंने मायरा मिश्रा की तारीफ करते हुए कहा, मायरा ने मलिष्का को आकार देने में शानदार काम किया है। यह किरदार भले ही मेरे लिए नया है, लेकिन मैं इसकी आत्मा को बरकरार रखते हुए अपने अंदाज में पेश करने का वादा करती हूं। शो के हर एक कलाकार ने गर्मजोशी के साथ काम किया है और टीम मुझे 'मलिष्का' की भूमिका को समझने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा, एक टीम के रूप में हम दर्शकों के लिए एक नए चेहरे के साथ सहज बदलाव के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बदलाव मुश्किल हो सकता है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि दर्शक मेरा उसी प्यार और गर्मजोशी से स्वागत करेंगे, जैसा उन्होंने हमेशा शो और उसके किरदारों का किया है। इससे पहले शो में मुख्य भूमिका लक्ष्मी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने शो में शामिल होने के लिए मेघा प्रसाद को बधाई दी थी। ऐश्वर्या खरे ने शो में नए सदस्य के स्वागत के लिए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर मेघा प्रसाद की एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, भाग्य लक्ष्मी की मलिष्का आपका स्वागत है। मैं शो में आपको देखने के लिए उत्सुक हूं। भाग्य लक्ष्मी का निर्माण एकता कपूर और शोभा कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स ने किया गया है। शो में ऐश्वर्या खरे और रोहित सुचांती मुख्य भूमिका में हैं। मेघा के करियर की बात करें तो वह 'तेरे इश्क में घायल' (2023), 'गंदी बात' (2018) और 'परिणीति' (2022) के साथ 'अशोका', 'उड़ान' और 'महाराज की जय हो' में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने एमटीवी के शो 'लव ऑन द रन', 'फियर फाइल्स' और 'ट्रोल' में नेगेटिव रोल प्ले किया था।

महाकुंभ की मोनालिसा का बड़ा धमाका

फिल्मों के बाद अब बनीं ब्रांड एंबेसडर

महाकुंभ 2025 की वायरल गर्ल मोनालिसा को लेकर हर दिन नए-नए अपडेट्स आ रहे हैं. हाल ही में उन्होंने फिल्म साइन की है. और अब बताया रहा है, कि मोनालिसा इस बड़े ब्रांड का प्रमोशन करेंगी, जिसके लिए उन्होंने मोटी फीस वसूली है.

महाकुंभ 2025 में माला बेचने आई एक लड़की अपनी खूबसूरत आंखों और नेचुरल ब्यूटी की वजह से रातोंरात इंटरनेट सेंसेशन बन गई. यह लड़की कोई और नहीं बल्कि मोनालिसा हैं, जिनकी लोकप्रियता इतनी तेजी से बढ़ी कि उन्हें कुंभ छोड़कर अपने घर, मध्य प्रदेश लौटना पड़ा. मोनालिसा को उनकी पहली फिल्म डायरी ऑफ मणिपुर के लिए साइन किया गया है. इस फिल्म का निर्देशन सनोज मिश्रा कर रहे हैं. जिन्होंने खुद मोनालिसा के गांव पहुंचकर उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनाया. फिल्म में मोनालिसा लीड रोल निभा रही हैं, और इसके लिए उन्हें 21 लाख रुपये की फीस मिली है, जिसमें एक लाख रुपये साइनिंग अमाउंट के तौर पर दिए गए थे. बाकी उन्हें फिल्म की रिलीज के आसपास दिए जाएंगे. फिल्म की शूटिंग 12 फरवरी से दिल्ली के इंडिया गेट पर शुरू होनी थी, लेकिन कुछ परमिशन न मिलने और डॉक्यूमेंट फॉर्मेलिटीस की वजह से फिलहाल यह टाल दिया गया है. परमिशन मिलने के बाद जल्द शुरु होगी शूटिंग. बता दें, अब फिल्म के साथ ही मोनालिसा को ब्रांड्स से भी कई ऑफर मिल रहे हैं. उनकी फिल्म के प्रमोशन से जुड़ी टीम के अनुसार, एक बड़े जूलरी ब्रांड ने मोनालिसा को 15 लाख रुपये की डील ऑफर की है.

रणबीर कपूर के बॉडी डबल के साथ हो रही रामायण की शूटिंग

रणबीर कपूर अपनी आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। वह नितेश तिवारी की रामायण और लव एंड वार को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। खबरें हैं कि रणबीर इन दिनों संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वार की शूटिंग में बिजी हैं इसलिए रामायण फिल्म में उनके बॉडी डबल की मदद से फिल्म की शूटिंग की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रोडक्शन हाउस के किसी करीबी सूत्र ने बताया, रणबीर ने रामायण की पहली किस्त के लिए अपने लगभग सभी महत्वपूर्ण दृश्य पूरे कर लिए हैं; केवल पैचवर्क बाकी है, जिसे उनके बिना भी पूरा किया जा सकता है। चूंकि, उनकी तारीखें लव एंड वॉर को सौंपी गई थीं, इसलिए रामायण की प्रोडक्शन टीम ने शूटिंग की योजना इस तरह बनाई कि कोई देरी न हो। अभी कुछ छोटे-मोटे सीक्वेंस बॉडी डबल के साथ फिल्माए जा रहे हैं, जिसके बाद पहले भाग का काम पूरा हो जाएगा। दिवाली 2026 में और दूसरा दिवाली 2027 में रिलीज होने वाला है।

साहस, एकता और शिक्षा की मजबूत कहानी है 'रूल ब्रेकर्स'

अभिनेता अली फजल की अपकमिंग फिल्म 'रूल ब्रेकर्स' 7 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से पहले अमेरिका में रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेता ने बताया कि फिल्म में साहस, एकता और शिक्षा की एक मजबूत कहानी है। अभिनेता ने अपने किरदार के पहले लुक की झलक शेयर की। फिल्म में अली लॉस एंजिल्स के एक तकनीकी विशेषज्ञ की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में उनके किरदार का नाम समीर सिन्हा है।

अपनी उत्सुकता को शेयर करते हुए अली ने कहा, यह फिल्म एक रत्न है और मैं इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं। 'रूल ब्रेकर्स' सिर्फ एक कहानी नहीं है। यह साहस, एकता और शिक्षा के साथ बनी एक मजबूत कहानी है। उन्होंने कहा, अमेरिका में महिला दिवस की पूर्व संध्या पर रिलीज करना इसे और भी खास बनाता है क्योंकि यह महिलाओं की ताकत के साथ जुड़ा है। मैं फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साहित हूं। मनोरंजक-ड्रामा 'रूल ब्रेकर्स' महिला-केंद्रित फिल्म है और एक ऐसी महिला की कहानी बताती है, जो ऐसे समाज में युवा लड़कियों को शिक्षित करने का साहस करती है, जहां इसे एक विद्रोह के रूप में देखा जाता है। 'रूल ब्रेकर्स' का निर्देशन ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता बिल गुटेंटैग ने किया है।

इस बीच बता दें, 2025 काम के लिहाज से अली के लिए बेहद खास साल है। बॉलीवुड, ओटीटी, हॉलीवुड के साथ उनके पास साउथ के कई प्रोजेक्ट्स हैं। अभिनेता ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बताया था कि 2025 में उन्हें सालों की मेहनत का नतीजा मिलेगा। अपने बेहतरीन प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए अली फजल ने कहा था, 2025 में सालों की मेहनत का नतीजा मिलेगा। मैं इस साल जिन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रहा हूं, उन्हें लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। अली फजल के पास हॉलीवुड फिल्म 'रूल ब्रेकर्स' के अलावा अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनो', 'मिर्जापुर- द मूवी' के साथ निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म 'ठग लाइफ' जैसे प्रोजेक्ट हैं। ओटीटी की बात करें तो अली राज और डीके की पीरियड ड्रामा सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' में नजर आएंगे। फजल के पास आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' है, जिसमें उनके साथ सनी देओल नजर आएंगे। अली ने प्रोजेक्ट को लेकर बताया था कि उनका हर एक प्रोजेक्ट उन्हें नए तरीके से चुनौती देता है।

मानुषी छिल्लर अपनी 2,40,000 रुपए के पॉपी प्रिंट प्लंज गाउन में आकर्षण का केंद्र बनी

मानुषी छिल्लर का फैशन गेम इतना शानदार है कि वह जो कुछ भी पहनती हैं, वह एक स्टेटमेंट पीस बन जाता है। पूर्व मिस वर्ल्ड सचमुच कुछ भी शानदार तरीके से पहन सकती हैं। चाहे यात्रा के लिए एक साधारण लाउन्ज सेट हो या सबसे एक्सक्लूसिव डिजाइनर पीस, मानुषी उन कपड़ों को अपने तरीके से पहनकर उन्हें अपनी पहचान बना देती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने कुछ इसी तरह का प्रदर्शन किया। वह रॉयल राजस्थान में एक कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रही थीं, जहां मानुषी ने 2,40,000 रुपए की गौरी और नैनिका गाउन पहनी थी। इस गाउन में गहरे प्लंजिंग नेकलाइन के साथ ड्रेप वेस्ट था और बाकी का डिज़ाइन फ्लैटरिंग पॉप्पी प्रिंट से सजा था। गाउन की कीमत 6 अंकों में होने का एक वजह इसका शानदार मिकाडो फैब्रिक है, जो इस गाउन में इस्तेमाल हुआ है। मानुषी ने अपने बाकी लुक को अपेक्षाकृत सरल रखा और अपने आउटफिट को ही मुख्य आकर्षण बनाया। उन्होंने अपनी कलाई पर एक साधारण कंगन और कुछ अंगूठियों के साथ अपने लुक को पूरा किया। उन्होंने विएंज विंटेज के छोटे इयररिंग्स पहनने का फैसला किया, जो उनके लुक के साथ पूरी तरह से मेल खा रही है। स्टनिंग शब्द ही मानुषी चिल्लर के लिए सही है, आपको क्या लगता है

'दुलहनिया बीड़ीवाली' शो में नजर आएंगी पौलमी दास

'बिग बॉस ओटीटी 3' की पूर्व प्रतियोगी पौलमी दास 'दुलहनिया बीड़ीवाली' शो में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। शो में अभिनेत्री के किरदार का नाम चंपा है। 'दुलहनिया बीड़ीवाली' की कहानी निशा नामक एक नवविवाहिता की है, जो अपने पति रोहन के साथ अपने पैतृक गांव जाती है, जहां उसे चंपा (पौलमी) की किंवदंती से जुड़े एक अभिशाप का पता चलता है। गांव में रिवाज रहता है कि इस भय से बचने के लिए हर आदमी को दुल्हन की पोशाक पहननी पड़ेगी। हालांकि, रोहन ऐसा करने से इंकार कर देता है। इसके बाद कहानी में से कई रहस्य सामने आने लगते हैं, जिसे लेकर गांव में भय व्याप्त हो जाता है। निशा का अतीत उसके सामने आकर खड़ा हो जाता है। इसके बाद वह रोहन की रक्षा करने और अभिशाप को तोड़ने के लिए लड़ाई लड़ती है। 'दुलहनिया बीड़ीवाली' में ड्रामा रहस्य, परंपरा और अलौकिक तत्वों का मिश्रण है। अभिनेत्री पिछली बार एएलटीटी के शो 'नागवधू- एक जहरीली कहानी' में नजर आई थीं। अभिनेत्री इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल में एक प्रतियोगी के तौर पर भाग ले चुकी हैं।

अंजना नहीं मानती कि शादी की अहमियत खत्म हो जाएगी

कभी सलाम-ए-इश्क, गोलमाल रिटर्स और कमाल धमाल मालामाल जैसी बड़ी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी एक्ट्रेस अंजना सुखानी इन दिनों सूरज बड़जात्या की डेब्यू वेब-सीरीज बड़ा नाम करेंगे को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में बुआ की भूमिका निभा रहीं अंजना से खास बातचीत -

आप कितने भी मॉडर्न हो जाएं, घूम-फिरकर दोबारा अपनी जड़ों की ओर आते ही हैं। यह कहना है, एक्ट्रेस अंजना सुखानी का। सलाम-ए-इश्क और गोलमाल रिटर्स जैसी बड़ी फिल्मों का हिस्सा रह चुकीं अंजना बीच में स्क्रीन से दूर थीं, पर फिर उन्होंने वेब-सीरीज सास, बहू, अचार प्रा लि में जोरदार वापसी की। वहीं, अब वह सूरज बड़जात्या की डेब्यू वेब सीरीज बड़ा नाम करेंगे को लेकर चर्चा में हैं।

शादी की अहमियत खत्म नहीं होगी

खास बात यह है कि आज जहां आए दिन शादियां इस तादाद में टूट रही हैं कि लोग शादी को खत्म होती संस्था करार देने लगे हैं, यह सीरीज अरेंज्ड मैरिज की बात करती है। ऐसे में, जब अंजना से हमने शादी रूपी संस्था की प्रासंगिकता पर सवाल किया तो उनका कहना था, मैं इस बात पर यकीन नहीं करती कि शादी की अहमियत खत्म हो जाएगी। मुझे लगता है कि आप घूम फिरकर दोबारा अपनी जड़ों की ओर लौट आते हैं।

जेन Z पीढ़ी ही लाएगी बदलाव

खुद तीन साल पहले शादी के रिश्ते में बंधी अंजना कहती हैं, अभी भले ही एक ऐसा दौर हो, जहां लोग शायद शादी रूपी संस्था में विश्वास न करें, लेकिन आज के यही जेन Z जब थोड़े मैच्योर होंगे, वह इस रिश्ते की अहमियत समझेंगे और वो ही दोबारा बदलाव लेकर आएंगे। अभी भले उन्हें ये रिश्ते बेमाने लगते हों, क्योंकि उनको लगता है कि बहुत ऑप्शन हैं, लेकिन जब आपकी जिंदगी में बहुत ऑप्शन होते हैं तो कंफ्यूजन भी बहुत होता है। आपको किसी की एक चीज, तो किसी की दूसरी चीज अच्छी लगती है। मगर जिंदगी में कहीं ठहराव भी तो होना चाहिए, वरना तो हर दूसरे इंसान में कुछ अच्छा लगेगा। हमने तो बचपन से यही सीखा है कि अगर आपको एक से खुशी नहीं मिल रही, तो किसी से नहीं मिलेगी। इसलिए, अगर आपकी जिंदगी के बेसिक फ्रेम में चीजें ठीक-ठाक बैठ रही हैं, तो रुक जाना चाहिए।

क्या आत्मनिर्भर होने की वजह से टूट रहे रिश्ते?

रिश्ते टूटने की एक वजह लोगों का आत्मनिर्भर होना भी कहा जा रहा है, क्योंकि कोई भी समझौता नहीं करना चाहता? इस बारे में अंजना का मानना है, आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है। औरतों के लिए तो आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना भी बहुत जरूरी है, लेकिन वह आत्मनिर्भरता आपके रिश्तों में दूरियां ला रही है तो आपको बैठकर उसे सुलझाना पड़ेगा। ऐसा नहीं है कि अच्छा नहीं लगा तो छोड़ दिया और कहीं और चले गए।

सितारा कभी भी चमक सकता है

अंजना को इस साल इंडस्ट्री में 20 साल पूरे हो गए। अपने शुरुआती दौर में कई हिट और बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहीं अंजना बीच में ब्रेक पर रहीं। वहीं, अब वह ओटीटी पर सक्रिय हैं। अपने करियर की इस पारी को वह कैसे देखती हैं? इस बारे में उन्होंने कहा, मेरा पॉजिटिव और नेगेटिव दोनों पहलू यह है कि मेरी कोई छवि नहीं है। मेरी कोई ऐसी इमेज नहीं है कि यह मस्त कॉमेडी करती है या सीरियस रोल करती है या एक्शन में कमाल है।

सोचा नहीं था कि बुआ का रोल करूंगी

सीरीज में अंजना बुआ की भूमिका निभा रही हैं, इसे हां कहने की क्या वजह रही? यह पूछने पर वह बताती हैं, सबसे पहली वजह तो सीरीज के निर्देशक पलाश वासवानी थे। मैंने उनकी सीरीज गुल्लक देखी है, जो देश की बेहतरीन सीरीज में से एक है। मैं पलाश की फैन हूं। उस पर सूरज बड़जात्या इसके निर्माता हैं। उनके साथ काम करना हर एक्टर का सपना होता है। हालांकि, जब मुझे यह रोल ऑफर हुआ तो पहले मैंने खुद कभी नहीं सोचा था कि मैं बुआ का किरदार करूंगी, पर जब मैंने रोल पढ़ा तो वह बहुत इंट्रेस्टिंग लगा। पूरी सीरीज में यह सबसे कॉम्प्लेक्स कैरेक्टर है। वह बहुत सारे इमोशंस से गुजर रही है और मैं चाहती थी कि सास, बहू और अचार के बाद मैं ऐसा रोल करूं जिसमें और गहराई हो और यह किरदार वैसा ही है। इसलिए, यह शो ना करना बेवकूफी होती।

साभार एजेंसी

शुभमन गिल ने बनाया यूनिक रिकॉर्ड, एक ही मैदान पर तीनों फॉर्मेट में लगाए शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी और तीसरे वनडे में शतक लगाकर यूनिक रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। गिल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में एक ही मैदान पर शतक लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। इस लिस्ट में अभी तक कोई भारतीय शामिल नहीं था।

गिल ने 31.2 ओवर में मार्क वुड की गेंद पर चौका लगाकर शतक पूरा किया और रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इसी मैदान पर टेस्ट शतक, टी20 शतक और अब वनडे शतक भी यहीं है। इस सूची में आईपीएल शतक भी शामिल है। यह एक बेहतरीन पारी है। शुरुआत में गेंद सीम और स्विंग कर रही थी। उन्होंने अपना समय लिया लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे उस चरण से निपटने के लिए बेहतरीन स्थिति में थे और एक बार जब वे इससे आगे निकल गए तो उन्होंने दिखाया कि वे इस मैदान पर क्यों राज करते हैं। टीम के साथी और प्रशंसक उनके 7वें वनडे शतक का स्वागत करने के लिए खड़े हो गए। उन्होंने हेलमेट उतार दिया, बल्ला उठाया और जश्न मनाते हुए झुके। गिल की पारी का अंत 34.3 ओवर में आदिल राशिद की गेंद पर बोल्ड हुए। गिल ने अपनी पारी के दौरान 102 गेंदों का सामना किया और 14 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 109 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाए। अपनी पारी के अंत के साथ ही गिल वनडे की पहली 50 पारियों में सर्वाधिक 2587 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने हाशिम अमला का रिकॉर्ड तोड़ा जो इससे पहले 2486 रन बनाते हुए पहले स्थान पर थे।

तीनों प्रारूपों में एक ही स्थान पर शतक

फाफ डु प्लेसिस - वांडरर्स, जोहान्सबर्ग
डेविड वार्नर - एडिलेड ओवल
बाबर आजम - नेशनल स्टेडियम, कराची
क्विंटन डी कॉक - सुपरस्पोर्ट पार्क, सेंचुरियन
शुभमन गिल - मोटेरा, अहमदाबाद

वनडे में पहली 50 पारियों के बाद सर्वाधिक रन

2587 शुबमन गिल
2486 हाशिम अमला
2386 इमाम-उल-हक
2262 फखर ज़मान
2247 शाई होप

फ्रीस्टाइल शतरंज में गुकेश ने नाकामुरा से ड्रॉ खेला, पांचवें से आठवें स्थान के प्लेऑफ का था मुकाबला

हैम्बर्ग (जर्मनी), एजेंसी। ड्रॉ नहीं खेलने के लिए मशहूर हो चुके गुकेश ने इस टूर्नामेंट में आठवीं बाजी ड्रॉ खेली। सात बाजियां उन्होंने प्रारंभिक दौर में ड्रॉ खेलीं। विश्व चैंपियन डी गुकेश को फ्रीस्टाइल शतरंज के पांचवें से आठवें स्थान के मुकाबले में अमेरिकी हिकारु नाकामुरा ने ड्रॉ पर रोक दिया। वहीं, सेमीफाइनल मुकाबलों में मैग्नस कार्लसन को पहले मैच में विन्सेंट कीमर से हार मिली, जबकि कारुआना और उज्बेकिस्तान को जावोखिर सिंदारोव के बीच बाजी ड्रॉ रही।

ड्रॉ नहीं खेलने के लिए मशहूर हो चुके गुकेश ने इस टूर्नामेंट में आठवीं बाजी ड्रॉ खेली। सात बाजियां उन्होंने प्रारंभिक दौर में ड्रॉ खेलीं। दिन का सबसे बड़ा परिणाम जर्मनी के कीमर की विश्व नंबर एक और इस प्रारूप के सूत्रधार मैग्नस कार्लसन पर जीत रही। अमेरिका के फाबियानो करुआना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल 0-2 से हारने के बाद गुकेश ने नाकामूरा के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के साथ अंक बांटे। फ्रीस्टाइल शतरंज में प्यादे अपनी जगह पर बरकरार रहते हैं, जबकि बाकी मोहरों की स्थिति को 960 तरीके से बदला जा सकता है। महान खिलाड़ी बॉबी फिशर फ्रीस्टाइल शतरंज की वकालत करने वाले पहले व्यक्ति थे और नए प्रारूप को मिले समर्थन को देखते हुए यह खेल का भविष्य हो सकता है।

स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के पिता का निधन, दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के पिता गिरीश बत्रा का दिल का दौरा पड़ने से मंगलवार को निधन हो गया। मंगलवार को ही इंदरपुरी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी प्रार्थना सभा गुरुवार को रखी गई है। मनिका भारत की शीर्ष महिला एकल खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में महिला एकल और महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने महिला युगल में रजत और मिश्रित युगल में कांस्य भी जीता था। भारत की शीर्ष महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने पिछले साल सऊदी स्मैश में शानदार प्रदर्शन किया था और करियर की सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग 24 पर पहुंच गईं थीं। वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 25 में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनीं थीं। तब उन्होंने 15 स्थान की लंबी छलांग लगाई थी। हालांकि, वह मौजूदा समय में महिला एकल में 25वें रैंक पर हैं। हालांकि, पेरिस ओलंपिक में मनिका का एकल में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वहीं, महिला टीम के साथ मिलकर उन्होने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था।

महिलाओं के खेल इवेंट में ट्रांसजेंडर एथलीट्स पर पाबंदी की तैयारी, विश्व एथलेटिक्स ने कसी कमर

वाशिंगटन, एजेंसी। महिला वर्ग में पारदर्शिता लाने के लिए विश्व एथलेटिक्स 1990 में बंद कर दिए गए उस क्रोमोसोम टेस्ट को भी लाने की तैयारी कर रहा है, जिससे महिला में वाई क्रोमोसोम (पुरुष क्रोमोसोम) के होने का पता लग जाएगा। विश्व एथलेटिक्स ने एथलेटिक्स की महिला इवेंट में ट्रांसजेंडर और पुरुषत्व के लक्षण वाले एथलीटों की भागीदारी पर पूरी तरह पाबंदी लगाने की तैयारी कर ली है। विश्व एथलेटिक्स ऐसे नियम लाने जा रहा है, जिससे महिला वर्ग में ट्रांसजेंडर एथलीट, लिंग विकास में अंतर (डीएसडी) वाली महिला एथलीट और पुरुष से महिला में परिवर्तित हुए एथलीटों के महिला वर्ग में खेलने पर पूरी तरह पाबंदी लग जाएगी। महिला वर्ग में पारदर्शिता लाने के लिए विश्व एथलेटिक्स 1990 में बंद कर दिए गए उस क्रोमोसोम टेस्ट को भी लाने की तैयारी कर रहा है, जिससे महिला में वाई क्रोमोसोम (पुरुष क्रोमोसोम) के होने का पता लग जाएगा। इस टेस्ट में महिला एथलीट के गाल के स्वैब का सैंपल लिया जाएगा या फिर उसके सूखे हुए खून का परीक्षण होगा।

नेशनल गेम्स राउंड अप:

ज्योति याराजी और अनिमेष कुजूर को स्वर्ण

पदक तालिका में सेना शीर्ष पर बरकरार

देहरादून, एजेंसी। सौ मीटर बाधा दौड़ की स्वर्ण पदक विजेता आंध्र प्रदेश की 25 वर्षीय याराजी ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 23.35 सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिल्ली की मध्यम दूरी की धाविका केएम चंदा ने महिलाओं की 800 मीटर में अपने ही राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड में सुधार किया।

बाधा दौड़ की स्टार खिलाड़ी ज्योति याराजी और फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेलों में अपना क्रमशः दूसरा और तीसरा स्वर्ण पदक जीता जबकि पैदल चाल के 15 खिलाड़ियों ने खेलों के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। सेना इस बीच पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। इससे पहले 100 मीटर और चार गुणा 100 मीटर का खिताब जीतने वाले ओडिशा के 21 वर्षीय कुजूर ने 20.58 सेकेंड के समय के साथ पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में भी स्वर्ण पदक जीता। उनका यह समय गुजरात में 2022 में असम के अमलान बोरगोहेन के 20.55 सेकेंड के राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड से थोड़ा अधिक था। सौ मीटर बाधा दौड़ की स्वर्ण पदक विजेता आंध्र प्रदेश की 25 वर्षीय याराजी ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 23.35 सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिल्ली की मध्यम दूरी की धाविका केएम चंदा ने महिलाओं की 800 मीटर में अपने ही राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने दो मिनट 0.82 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता और 2022 प्रतियोगिता के दो मिनट 1.58 सेकेंड के राष्ट्रीय खेलों के अपने पिछले रिकॉर्ड को बेहतर किया। उन्होंने इससे पहले 1500 मीटर में भी स्वर्ण जीता था।

मंगलवार को सेना ने नौ स्वर्ण सहित 17 पदक जीते और 54 स्वर्ण, 22 रजत, 21 कांस्य सहित कुल 97 पदक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है जबकि खेलों में अब केवल दो दिन बचे हैं। पिछले सत्र की शीर्ष टीम महाराष्ट्र 144 पदक (41 स्वर्ण, 51 रजत, 52 कांस्य) के साथ दूसरे स्थान पर है। कर्नाटक 75 पदक (33 स्वर्ण, 18 रजत, 24 कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि हरियाणा (28 स्वर्ण, 40 रजत, 44 कांस्य) और मध्य प्रदेश (25 स्वर्ण, 18 रजत, 18 कांस्य) शीर्ष पांच में शामिल हैं।

चैंपियंस ट्रॉफ़ी से हटे स्टार्क, कप्तानी करेंगे स्मिथ

मेलबर्न, एजेंसी। मिचेल स्टार्क ने व्यक्तिगत कारणों से चैंपियंस ट्रॉफ़ी से अपना नाम वापस ले लिया है और ऑस्ट्रेलिया ने एक अलग दिखने वाली 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है जिसकी कप्तानी स्टीवन स्मिथ करेंगे। मार्कस स्टॉयनिस के संन्यास के साथ-साथ पैट कमिंस, जॉश हेज़लवुड और मिशेल मार्श की चोटों के कारण ऑस्ट्रेलिया को पहले ही अपनी स्थायी टीम में कई बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

स्टार्क की अनुपस्थिति का मतलब है कि वे पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में 19 फ़रवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अपने पूरे विश्व कप विजेता फ़्रंटलाइन तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण के बिना उतरेंगे। स्टार्क ने अपने फ़ैसले के बारे में गोपनीयता की मांग की है। वह गॉल में दूसरे टेस्ट के बाद के समय में कुछ असुविधा में दिखे थे। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, हम मिच के फ़ैसले को समझते हैं और उसका सम्मान करते हैं। मिच को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रदर्शन को प्राथमिकता देने के लिए बड़ा सम्मान दिया जाता है।

दर्द और प्रतिकूल परिस्थितियों में खेलने की उनकी अच्छी तरह से क्षमता, साथ ही अपने देश को पहले स्थान पर रखने के लिए अपने करियर के अन्य हिस्सों में अवसरों को छोड़ने की सराहना की जानी चाहिए। उनका चैंपियंस ट्रॉफ़ी अभियान में नहीं होना भले ही एक झटका है, लेकिन इससे किसी और को टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने का मौक़ा मिलेगा।

एशिया मिक्सड टी चैम्पियनशिप:

भारत ने मकाऊ पर दर्ज की बड़ी जीत, क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

अब कोरिया से सामना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने दुबई में खेले गए इस टूर्नामेंट के पिछले सत्र में कांस्य पदक जीता था। अब उसका ग्रुप चरण के अंतिम मैच में गुरुवार को सामना कोरिया से होगा। भारतीय बैडमिंटन टीम ने एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने ग्रुप डी के अपने शुरुआती मैच में मकाऊ को 5-0 से हराया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने में सफल रही। भारत ने दुबई में खेले गए इस टूर्नामेंट के पिछले सत्र में कांस्य पदक जीता था। अब उसका ग्रुप चरण के अंतिम मैच में गुरुवार को सामना कोरिया से होगा।

मिश्रित युगल टीम सतीश कुमार करुणाकरण और राष्ट्रीय खेल स्वर्ण पदक विजेता आद्या वरियाथ ने लोक चोंग लियोंग और वेंग चि एंग के खिलाफ पहला मैच 21-10, 21-9 से जीता। पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने पांग फोंग पुइ को 21-16, 21-12 से हराया।

मालविका बंसोड ने महिला एकल में हाओ वाइ वान के खिलाफ 21-15, 21-9 से जीत दर्ज की।

चिराग शेट्टी और एम आर अर्जुन ने पुरुष युगल मुकाबले में चिन पोन पुइ और कोक वेन वोंग को 21-15, 21-19 से हराया। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने एंग वेंग चि और पुइ चि वा को 21-10, 21-5 से मात दी।

लीजेंड लीग पर आग बरसा रहा है शिखर धवन का बल्ला, खेली शानदार नाबाद अर्धशतकीय पारी

रायपुर (छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन लीजेंड 90 लीग में बल्ले से आग बरसाते नजर आ रहे हैं। उन्होने अपने पिछले मैच में बिग बॉयस के खिलाफ नाबाद 50 रनों की शानदार पारी खेली।

आठ से 18 फरवरी तक चलने वाली इस लीग में शिखर के अलावा लेंडल सिमंस, थिसारा परेरा, रॉस टेलर और मार्टिन गप्टिल जैसे कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेल रहे हैं। दिल्ली रॉयल्स का प्रतिनिधित्व कर रहे धवन ने लीग का हिस्सा बनने पर खुशी जाते हुए कहा कि, च्च् यह टूर्नामेंट रिटायड खिलाड़ियों को एक बार फिर उसी रोमांच को जीने का मौका दे रहा है, जो कभी उनका हिस्सा हुआ करता था। उन्होंने कहा कि, च्च् लीग को बहुत अच्छे तरीके आयोजित किया गया है। चाहे मैदान हो, विकेट हो, ड्रेसिंग रूम की व्यवस्था हो, सभी चीजें बहुत बढ़िया हैं, खासकर प्रशंसकों से जिस तरह का प्यार मिल रहा है, वह देखने लायक है।

90 बॉल क्रिकेट का या फटाफट प्रारूप हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए एक अलग ही अनुभव है। हमने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जबरदस्त प्रेशर के साथ खेला है, लेकिन यहां हम खेल पर फोकस करने के साथ ही एंजॉय भी कर सकते हैं। शिखर ने कहा, इस लीग का क्रेज बहुत जबरदस्त है और मुझे पूरा यकीन है कि मैदान के अंदर और बाहर दोनों ही जगह दर्शकों से इसे भरपूर प्यार मिलने वाला है। प्रशंसक इसका सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं। डिजिटल स्ट्रीमिंग फैन कोड और सोनी लिव पर उपलब्ध है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अनिल कुंबले ने त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुम्भनगर (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अनिल कुंबले ने पत्नी चेतना रामतीर्था के साथ माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद बुधवार को दोनों ने सूर्य को अर्घ्य दिया और पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की। उन्होंने नाव पर सवार होकर सेल्फी भी सोशल मीडिया में अपलोड की और माघ पूर्णिमा पर पूर्ण चंद्रमा की छवि भी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने कुंबले महाकुम्भ की भव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से अभिभूत नजर आए। कुंबले ने संगम स्नान के बाद अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं। उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ सिफ एक शब्द लिखा 'ब्लेस्ड (आशीर्वाद)। इससे उनका तात्पर्य यही था कि त्रिवेणी संगम में स्नान कर उन्हें भी पुण्य की प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज का आशीष मिला।

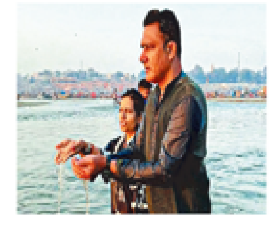

अपनी फिरकी से विरोधी बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाने वाले अनिल कुंबले मंगलवार को ही प्रयागराज पहुंच गए थे। हालांकि त्रिवेणी स्नान के लिए उन्होंने माघ पूर्णिमा का पावन दिन चुना।

नीरज चोपड़ा ने मोटापे से लड़ने का दिया संदेश, प्रधानमंत्री मोदी ने किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा के एक सोशल मीडिया पोस्ट को कोट करते हुए एक प्रेरणादायक संदेश दिया। नीरज चोपड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा था कि स्वस्थ रहने के लिए आपको एथलीट या फिटनेस उत्साही होने की आवश्यकता नहीं है।

पोस्ट में नीरज ने एक लेख साझा किया था। नीरज चोपड़ा के इसी पोस्ट को कोट करते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि नीरज चोपड़ा द्वारा लिखा गया एक ज्ञानवर्धक और प्रेरक लेख, जो मोटापे से लड़ने और स्वस्थ रहने की आवश्यकता पर जोर देता है। इससे पहले नीरज चोपड़ा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक लेख शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, स्वस्थ रहने के लिए आपको एथलीट या फिटनेस उत्साही होने की आवश्यकता नहीं है। मोटापे के खिलाफ लड़ाई एक ऐसी चीज है जिसका हमें डटकर सामना करना होगा। आइए हम सब मिलकर भारत को फिट बनाने के माननीय पीएम नरेंद्र मोदी जी के सपने का समर्थन करें! नीरज चोपड़ा ने अपने लेख में कहा था कि जब मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारत में मोटापे से लड़ने का आह्वान सुना, तो यह मेरे दिल को छू गया। मैं पहले से ही जानता था कि अधिक वजन होने से क्या संघर्ष होता है, इससे क्या कलंक लगता है और खेल और फिटनेस से क्या बड़ा बदलाव आ सकता है। मेरा खुद का सफर - एक अधिक वजन वाले बच्चे से लेकर ओलंपिक पोडियम तक - दृढ़ संकल्प, सही मानसिकता और अनुशासित दृष्टिकोण का परिणाम रहा है। अगर हमारे पास ये सभी दृष्टिकोण हैं, तो कोई भी बाधा पार कर सकते हैं। नीरज ने आगे लिखा था कि मोटापा सिर्फ़ शारीरिक दिखावट से जुड़ा नहीं है, यह स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती से जुड़ा है।

आज, भारत में सभी आयु समूहों में मोटापे में खतरनाक वृद्धि देखी जा रही है। बचपन में मोटापा एक गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है, क्योंकि ज़्यादा से ज़्यादा युवा लोग फास्ट फूड, स्क्रीन पर बहुत ज़्यादा समय बिताने और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण गतिहीन जीवनशैली अपना रहे हैं। इससे न सिर्फ़ उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है, जिससे उनका आत्म-सम्मान कम होता है और मधुमेह और हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ता है।

भारत आने का यह सही समय है : प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांसीसी कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया

» पेरिस, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस की कंपनियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि वे भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनकर असीमित अवसरों पर विचार करें। प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी कंपनियों से कहा कि भारत में निवेश करने का यह सही समय है। पेरिस में 14वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम में मोदी के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी शामिल हुए। अपने संबोधन में मोदी ने भारत-फ्रांस के बीच बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक सहयोग और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को इससे मिले प्रोत्साहन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत स्थिर राजनीति और पूर्वानुमानित नीतिगत तंत्र के आधार पर एक पसंदीदा वैश्विक निवेश गंतव्य है। मोदी ने कहा, मैं आप सभी को बता दूं कि भारत आने का यह सही समय है। हर किसी की प्रगति भारत की प्रगति से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, इसका एक उदाहरण विमानन क्षेत्र में देखने को मिला।

जब भारतीय कंपनियों ने विमानों के लिए बड़े ऑर्डर दिए और अब, जब हम 120 नए हवाई अड्डे खोलने जा रहे हैं, तो आप स्वयं भविष्य की संभावनाओं की कल्पना कर सकते हैं। फ्रांसीसी उद्योग जगत को भारत की विकास यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा, जब फ्रांस की कुशलता और भारत का सहयोग एक साथ मिलेंगे, जब भारत की गति और फ्रांस की सटीकता एक साथ आएगी, जब फ्रांस की तकनीक और भारत की प्रतिभा एक साथ आएगी... तब न केवल व्यापार परिदृश्य बदलेगा बल्कि वैश्विक परिवर्तन होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत विविधीकरण और जोखिम कम करने का सबसे बड़ा केंद्र बन रहा है, जिसे इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय बजट में पेश किए गए नए सुधारों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, भारत और फ्रांस सिर्फ लोकतांत्रिक मूल्यों से ही नहीं जुड़े हैं। हमारी मित्रता की नींव गहरे विश्वास, नवाचार और जन कल्याण की भावना पर आधारित है। हमारी साझेदारी सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं है। हम वैश्विक समस्याओं और चुनौतियों का समाधान करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। मेरी पिछली यात्रा के दौरान हमने अपनी साझेदारी के लिए 2047 रोडमैप रूपरेखा तैयार की थी। इसके बाद हम हर क्षेत्र में व्यापक तरीके से सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने एयरोस्पेस, बंदरगाह, रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, डेयरी, रसायन और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे क्षेत्रों की ओर इशारा किया, जहां भारत-फ्रांस सहयोग पहले से ही जारी है। उन्होंने कहा, आप पिछले दशक में भारत में हुए बदलावों से भली-भांति परिचित हैं। हमने एक स्थिर राजनीति और पूर्वानुमानित नीतियों की मदद से अच्छा माहौल तैयार किया है। सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मार्ग पर चलते हुए आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा, भारत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत के कुशल व प्रतिभाशाली युवा और नवाचार वैश्विक मंच पर हमारी पहचान है। आज, भारत तेजी से एक पसंदीदा वैश्विक निवेश गंतव्य बन रहा है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि भारत-फ्रांस सीईओ फोरम आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने पोस्ट में कहा, दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं को सहयोग करते हुए और प्रमुख क्षेत्रों में नए अवसर पैदा करते हुए देखकर खुशी की अनुभूति होती है। इससे विकास, निवेश को बढ़ावा मिलता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित होता है। इस दौरान रक्षा, एयरोस्पेस, महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, बुनियादी ढांचे, उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जीवन-विज्ञान, कल्याण और जीवन शैली, और खाद्य और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत के नए वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को संयुक्त रूप से मारसेई शहर में भारत के नए वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति मैक्रों के निमंत्रण पर फिलहाल फ्रांस के दौरे पर हैं। दोनों नेताओं ने बटन दबाकर संयुक्त रूप से मारसेई शहर में नए वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया। इस मौके पर मौजूद भीड़ ने पूरे उत्साह के साथ खुशी जताई। इनमें से कई लोग भारत और फ्रांस दोनों के राष्ट्रीय ध्वज लेकर आए थे। वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन से पहले, मोदी और मैक्रों ने ऐतिहासिक माजारग्वेज कब्रिस्तान का दौरा किया और पहले विश्व युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। बाद में, दोनों नेताओं ने भीड़ में मौजूद कुछ लोगों से बातचीत भी की।

मैक्रों ने यूएनएससी में भारत की स्थाई सदस्यता के लिए फ्रांस के दृढ़ समर्थन को दोहराया

मोदी और मैक्रों ने वार्ता की, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति

» मारसेई, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने का आह्वान करते हुए हिंद-प्रशांत क्षेत्र और विभिन्न वैश्विक मंचों एवं पहलों में अपनी सहभागिता को और प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने अपनी व्यापक बातचीत के बाद यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया कि वैश्विक एआई क्षेत्र सार्वजनिक हित में लाभकारी सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरण संबंधी परिणाम प्रदान करे। दोनों नेताओं की यहां हुई बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयामों के साथ-साथ प्रमुख वैश्विक एवं क्षेत्रीय मुद्दों को शामिल किया गया। दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और सुरक्षा परिषद के मामलों सहित विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर निकटता से समन्वय करने पर सहमति व्यक्त की। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने यूएनएससी में भारत की स्थाई सदस्यता के लिए फ्रांस के दृढ़ समर्थन को दोहराया।

दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए अपनी सुदृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर गौर किया कि यह पिछले 25 वर्षों में क्रमिक तरीके से एक बहुआयामी संबंध में विकसित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कल शाम फ्रांस के राष्ट्रपति के विमान में पेरिस से मारसेई के लिए उड़ान भरी थी। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम पर और प्रमुख वैश्विक एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर यहां चर्चा की। मारसेई में आगमन के बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष के रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया। एक बयान में कहा गया कि हाल में संपन्न एआई एक्शन समिट और 2026 में आगामी भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष की पृष्ठभूमि में साझेदारी का यह क्षेत्र और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश संबंधों के विस्तार की भी वकालत की। राष्ट्रपति मैक्रों ने मारसेई के निकट तटीय शहर कैसिस में प्रधानमंत्री के सम्मान में रात्रिभोज का भी आयोजन किया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति मैक्रों को भारत आने का निमंत्रण दिया। वार्ता के 10 परिणामों की सूची में एआई पर भारत-फ्रांस घोषणा, भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 के लिए लोगो जारी करना, और भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) तथा फ्रांस के इंस्टीट्यूट नेशनल डि रिसर्च एन इंफॉर्मेटिक एट एन ऑटोमैटिक (आईएनआरआईए) फ्रांस के बीच इंडो-फ्रेंच सेंटर फॉर द डिजिटल साइंसेज की स्थापना के लिए आशय पत्र शामिल हैं। फ्रांसीसी स्टार्ट-अप इनक्यूबेटर स्टेशन एफ में 10 भारतीय स्टार्टअप की मेजबानी के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए, जबकि उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टरों और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर साझेदारी की स्थापना पर आशय की घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए। अन्य परिणामों में ग्लोबल सेंटर फॉर न्यूक्लियर एनर्जी पार्टनरशिप (जीसीएनईपी) के साथ सहयोग के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) तथा फ्रांस के कमिसारिएट ए एल एनर्जी एटॉमिक एट ऑक्स एनर्जीज अल्टरनेटिव्स (सीईए) के बीच समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण शामिल है। त्रिकोणीय विकास सहयोग पर एक संयुक्त आशय घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए, जबकि दोनों नेताओं ने मारसेई में भारतीय वाणिज्य दूतावास का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया, और पर्यावरण के क्षेत्र में पारिस्थितिक संक्रमण, जैव विविधता, वन, समुद्री मामले और मत्स्य पालन मंत्रालय एवं पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के बीच आशय की घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने माजारग्वेज कब्रिस्तान का दौरा कर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मारसेई शहर के ऐतिहासिक माजारग्वेज युद्ध कब्रिस्तान का दौरा किया और प्रथम विश्व युद्ध में बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने तिरंगे के रंग वाले फूलों से निर्मित पुष्पचक्र अर्पित किया। मैक्रों ने भी भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्रांसीसी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सैनिकों को याद करते हुए मोदी ने हाथ जोड़कर और सिर झुकाते हुए उस ऐतिहासिक स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां भारतीय स्मारक भी है। स्मारक पर बैंड की धुनों ने इस अवसर की गरिमा को और बढ़ा दिया। बाद में, दोनों नेताओं ने इस ऐतिहासिक कब्रिस्तान परिसर का दौरा किया और स्मारक पट्टिकाओं पर गुलाब के फूल चढ़ाए। इस कब्रिस्तान में बड़ी संख्या में भारतीय सैनिकों के स्मारक हैं। राष्ट्रमंडल युद्ध कब्र आयोग (सीडब्ल्यूजीसी) इस कब्रिस्तान का रखरखाव करता है। फ्रांस की तीन दिवसीय यात्रा पर आए मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रपति मैक्रों के साथ एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की और व्यापार जगत के दिग्गजों को संबोधित किया।

मोदी और मैक्रों ने वार्ता की, संबंध प्रगाढ़ करने का आह्वान किया

मारसेई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने का आह्वान करते हुए हिंद-प्रशांत क्षेत्र और विभिन्न वैश्विक मंचों एवं पहलों में अपनी सहभागिता को और प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने अपनी व्यापक बातचीत के बाद यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया कि वैश्विक एआई क्षेत्र सार्वजनिक हित में लाभकारी सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरण संबंधी परिणाम प्रदान करे। दोनों नेताओं की यहां हुई बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयामों के साथ-साथ प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों को शामिल किया गया। दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और सुरक्षा परिषद के मामलों सहित विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर निकटता से समन्वय करने पर सहमति व्यक्त की। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने यूएनएससी में भारत की स्थाई सदस्यता के लिए फ्रांस के दृढ़ समर्थन को दोहराया। दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए अपनी सुदृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर गौर किया कि यह पिछले 25 वर्षों में क्रमिक तरीके से एक बहुआयामी संबंध में विकसित हुई है।

मोदी, मैक्रों ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति विमान में चर्चा की संबंधों ने नई ऊंचाइयों को छुआ : मिस्री

पेरिस। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पेरिस से मारसेई की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति विमान में द्विपक्षीय चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत-फ्रांस के संबंधों ने पूरी तरह से नई ऊंचाइयों को छुआ है। मिस्री ने फ्रांस में मीडिया को मोदी की यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने यूरोप, पश्चिम एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और वैश्विक तथा क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की। मोदी और मैक्रों ने मंगलवार को पेरिस में एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की, भारत-फ्रांस सीईओ फोरम में भाग लिया और बाद में शाम को मारसेई के लिए रवाना हुए। विदेश सचिव ने कहा कि वे फ्रांसीसी राष्ट्रपति विमान में मारसेई गए और इसे राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा एक असाधारण भाव अभिव्यक्ति, दोनों नेताओं के बीच गहरे व्यक्तिगत विश्वास और एक-दूसरे पर उनके असाधारण सम्मान का प्रतीक बताया। मिस्री ने कहा, आप कह सकते हैं कि भारत-फ्रांस के संबंधों ने सचमुच नई ऊंचाइयों को छुआ है। उन्होंने कहा कि कुछ द्विपक्षीय चर्चा मारसेई में भी हुई। उन्होंने कहा, चर्चा में हमारी गहरी और विविधतापूर्ण रणनीतिक साझेदारी के सभी पहलुओं पर बात हुई।

प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस के मार्सिले शहर पहुंचे, वी.डी. सावरकर की प्रशंसा की

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले पहुंचे और स्वतंत्रता सेनानी वी.डी. सावरकर को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने इसी बंदरगाह शहर में भाग निकलने का साहसिक प्रयास किया था। मोदी ने मंगलवार रात (स्थानीय समयानुसार) वहां पहुंचने के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मार्सिले पहुंचा हूं। भारत के स्वतंत्रता के संघर्ष में यह शहर विशेष महत्व रखता है। यहीं पर महान वीर सावरकर ने भाग निकलने का साहसिक प्रयास किया था। उन्होंने कहा, मैं मार्सिले के लोगों और उस समय के फ्रांसीसी कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मांग की थी कि उन्हें ब्रिटिश हिरासत में नहीं सौंपा जाए। वीर सावरकर की बहादुरी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। मार्सिले पहुंचने पर प्रधानमंत्री का भारतीय प्रवासी समुदाय के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। देर रात (भारतीय समयानुसार सुबह चार बजकर 18 मिनट) एक्स पर लिखे पोस्ट में मोदी ने कहा, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और मैं कुछ देर पहले मार्सिले पहुंचे हैं। इस यात्रा में भारत और फ्रांस को और करीब लाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे। जिस भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया जा रहा है, उससे लोगों के बीच आपसी संबंध और मजबूत होंगे। मैं प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि भी अर्पित करूंगा। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर ने आठ जुलाई, 1910 को अंग्रेजों की कैद से भागने का प्रयास किया था, जब उन्हें मुकदमे के लिए ब्रिटिश जहाज मोरिया से भारत लाया जा रहा था। ऐसा माना जाता है कि सावरकर ने जहाज के पोर्टहोल से फिसलकर बाहर निकलने का प्रयास किया और तैर कर तट तक पहुंचने में कामयाब हो गए थे, लेकिन फ्रांसीसी अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया और फिर उन्हें ब्रिटिश जहाज अधिकारियों की हिरासत में वापस सौंप दिया। इससे एक बड़ा कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। सावरकर को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की सेल्युलर जेल में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने के लिए मार्सिले में हैं। दोनों नेताओं की बुधवार को कई कार्यक्रमों में शामिल होने की योजना है, जिसमें दोनों विश्व युद्ध के दौरान लड़ते हुए शहीद हुए भारतीय सैनिकों के बलिदान की याद में माजरग्यूज वॉर सीमेट्री का दौरा भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु संलयन सहयोग, अंतरराष्ट्रीय ताप नाभिकीय प्रायोगिक रिएक्टर (आईटीईआर) परियोजना का दौरा भी उनके कार्यक्रम में शामिल है। इससे पहले मंगलवार को दोनों नेताओं ने एआई एक्शन समिट और 14वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित किया। यह मोदी की छठी फ्रांस यात्रा है। मोदी दो देशों की अपनी यात्रा के दूसरे चरण में फ्रांस से अमेरिका जाएंगे।

नेतन्याहू ने बंधकों को रिहा नहीं किए जाने पर गाजा में फिर से युद्ध शुरू करने की धमकी दी

» यरूशलम, भाषा।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को गाजा में युद्ध विराम समझौते से पीछे हटने की धमकी दी और सैनिकों को निर्देश दिया कि अगर आतंकवादी समूह शनिवार को और अधिक बंधकों को रिहा नहीं करता है तो वे हमास के खिलाफ लड़ाई फिर से शुरू करने के लिए तैयार रहें। हमास ने सोमवार के अपने आरोपों को मंगलवार को दोहराते हुए कहा कि इजराइल युद्ध विराम की शर्तों को पूरा करने में विफल रहा है, तथा उसकी योजना तीन और बंधकों की रिहाई में देरी करने की है। इसने आरोप लगाया था कि इजराइल गाजा में स्वीकृत संख्या में टेंट लगाने एवं अन्य सहायता मुहैया कराने की अनुमति नहीं दे रहा है।

बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को इजराइल से और अधिक बंधकों की रिहा करने की अपील की थी। ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात के बाद आशंका जताई थी कि उनकी मांग के अनुसार हमास शेष सभी बंधकों को रिहा नहीं करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास के बारे में कहा, मुझे नहीं लगता कि वे समय-सीमा के भीतर कार्रवाई कर पाएंगे। वे सख्त रवैया अपनाना चाहते हैं। हम देखेंगे कि वे कितने सख्त हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता दे रहा है ट्रंप प्रशासनः व्हाइट हाउस की पूर्व अधिकारी

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता दे रहा है और प्रशासन यह मानता है कि भारत में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलाव लाने की क्षमता है, साथ ही वह चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के मामले में एक महत्वपूर्ण साझेदार है। व्हाइट हाउस की एक पूर्व अधिकारी ने यह बात कही। लिसा कर्टिस ने राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में होने वाली द्विपक्षीय वार्ता से पहले यह टिप्पणी की। कर्टिस 2017 से 2021 के बीच ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में दक्षिण एवं मध्य एशिया की वरिष्ठ निदेशक थीं।

मोदी की यात्रा की पूर्व संध्या पर वाशिंगटन डीसी में स्थित थिंक टैंक द सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी (सीएनएएस) द्वारा मंगलवार को आयोजित एक ऑनलाइन प्रेस वार्ता में कर्टिस ने कहा, स्पष्ट रूप से, ट्रंप प्रशासन भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता दे रहा है। थिंक टैंक में वरिष्ठ फेलो और हिंद-प्रशांत सुरक्षा कार्यक्रम की निदेशक कर्टिस ने कहा, वह मानती हैं कि भारत उभरती हुई एक वैश्विक शक्ति है और वास्तव में इसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र और विश्व में बदलाव लाने की क्षमता है। कर्टिस ने कहा कि यह काफी उल्लेखनीय है कि नए ट्रंप प्रशासन के तहत घरेलू स्तर पर होने वाली हर चीज में भारत पर इतना ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से, भारत सरकार ने भी बृहस्पतिवार की बैठक के लिए एक अच्छा माहौल बनाने को लेकर सकारात्मक कदम उठाए हैं।

सिंगापुर में 16 हजार तमिल हिंदुओं ने थाईपुसम उत्सव मनाया

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर में मनाए गए थाईपुसम महोत्सव के दौरान मंगलवार को लगभग 16 हजार श्रद्धालुओं ने भगवान मुरुगन की पूजा की। श्रद्धालुओं ने 10 फरवरी की रात लिटिल इंडिया परिसर में श्रीनिवास पेरुमल मंदिर से लेकर केंद्रीय व्यापारिक जिले में टैंक रोड स्थित श्री तेंडायुथपानी मंदिर तक 3.2 किलोमीटर पैदल यात्रा की। थाईपुसम तमिल हिंदुओं का एक प्रमुख धार्मिक त्योहार है और इसे सिंगापुर तथा मलेशिया में भी उसी तरह मनाया जाता है, जैसे यह भारत के दक्षिणी भाग में मनाया जाता है।

स्ट्रेट्स टाइम्स समाचार पत्र ने महोत्सव में आए सरवणन राजासुरन (30) के हवाले से कहा, मैं 21 दिनों की तैयारी के बाद यहां हूं। नुशा दर्शिणि (25) ने पाल कावड़ी का अभ्यास किया। नुशा ने कहा, इस कावड़ी को ले जाने से पहले मैंने 30 दिनों तक उपवास रखा था। गृह एवं विधि मंत्री के. षणमुगम महोत्सव के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने उत्सव के दौरान व्यवस्था की सराहना की। हालांकि उन्होंने कहा कि टैंक रोड स्थित मंदिर में प्रवेश के लिए श्रद्धालुओं को लंबा इंतजार करना पड़ा और इस स्थिति में सुधार के लिए कुछ कदम उठाया जा सकता है।

बांग्लादेश | प्रकाशन समूह पर हुए हमले और अराजकता की जांच के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया

प्रदर्शनकारियों ने तस्लीमा नसरीन की किताब की प्रदर्शनी वाले स्टॉल पर हमला किया

» ढाका, भाषा।

निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन की पुस्तकों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एक समूह ने ढाका में पुस्तकों के एक स्टाल पर धावा बोल दिया और इसके बाद बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने इस अनुशासनहीन व्यवहार की जांच के आदेश दिए हैं। मीडिया खबरों में यह जानकारी दी गई है। बीडीन्यूज24 की खबर के अनुसार, यह घटना सोमवार को अमर एकुशी पुस्तक मेले में प्रकाशन समूह सब्यसाची प्रोकाशोनी के स्टॉल पर हुई। खबर में कहा गया है कि मेले के 10वें दिन तौहीदी जनता के बैनर तले एक समूह ने निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन की पुस्तकों के प्रदर्शन को लेकर सुहरावर्दी उद्यान में सब्यसाची प्रोकाशोनी के स्टॉल पर धावा बोल दिया।

इसमें कहा गया है कि समूह ने प्रकाशक को घेर लिया और नारेबाजी की। जिसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया और व्यवस्था बहाल करने के लिए पुलिस, सब्यसाची के प्रकाशक शताब्दी बोबो को अपने नियंत्रण कक्ष में ले गई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को घेर लिया, जिससे तनाव बढ़ गया। खबर के अनुसार, व्यापक आलोचना के बाद मुख्य सलाहकार यूनुस ने सोमवार शाम को प्राधिकारियों को आदेश दिया कि वे जिम्मेदार लोगों को न्याय के दायरे में लाएं। बांग्ला अकादमी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि अकादमी ने प्रकाशन समूह पर हुए हमले और अराजकता की जांच के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति को तीन कार्य दिवसों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। घटना के बाद से सब्यसाची स्टॉल नंबर 128 बंद है। हालांकि बांग्ला अकादमी ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि उसने किसी भी स्टाल को बंद नहीं किया और किसी भी पुस्तकों पर प्रतिबंध भी नहीं लगाया है। अंतरिम सरकार में वास्तविक मंत्री और बांग्लादेश के भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के प्रमुख नेता महफूज आलम ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि भीड़ हिंसा में शामिल होने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। तौहीदी जनता समूह को संबोधित करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वे हिंसक कृत्यों में लिप्त होते हैं, कानून तोड़ने के आरोप में बिना किसी चेतावनी के उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महफूज ने यह टिप्पणी सोमवार को उस समय की जब नसरीन की कविता की किताब की बिक्री को लेकर गुस्साए लोगों के एक समूह ने स्टॉल पर धावा बोल दिया।

निर्धारित समय से थोड़ा पहले पृथ्वी पर वापस लाए जाएंगे अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे नासा के दो यात्री

» केप केनवरल (अमेरिका), भाषा।

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स सहित अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे नैशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के दो अंतरिक्ष यात्रियों को निर्धारित समय से थोड़ा पहले पृथ्वी पर वापस लाया जा सकता है। नासा ने यह जानकारी दी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगलवार को कहा कि स्पेसएक्स आगामी अंतरिक्ष यात्री उड़ानों के लिए कैप्सूल बदलेगा, ताकि बुच विल्मोर और सुनी (सुनीता) विलियम्स को मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत के बजाय मार्च के मध्य में वापस लाया जा सके। वे आठ महीने से ज्यादा समय से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए हैं।

नासा के वाणिज्यिक क्रू प्रोग्राम के प्रबंधक स्टीव स्टिच ने एक बयान में कहा, अंतरिक्ष यात्रा अप्रत्याशित चुनौतियों से भरी हुई है। परीक्षण पायलटों को जून में बोइंग के स्टारलाइनर कैप्सूल पर वापस लाया जाना था। लेकिन कैप्सूल को अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने में इतनी परेशानी हुई कि नासा ने इसे खाली वापस लाने का फैसला किया। इसके बाद स्पेसएक्स ने अधिक तैयारियों की आवश्यकता के मद्देनजर नए कैप्सूल को भेजने में देरी कर दी, जिसकी वजह से विल्मोर और विलियम्स को वापस लाने के मिशन में और देर हुई। अब 12 मार्च को नए कैप्सूल का प्रक्षेपण किया जाएगा। इस पुराने कैप्सूल को पहले ही एक निजी चालक दल को सौंप दिया गया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,